दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर | 3 | आंचलिक | 4 | अभिव्यक्ति | 6 | छत्तीसगढ़ | 7 | खेल/बिजनेस

RNI NO.MPHIN/2017/72749 | भोपाल, मंगलवार 5 दिसंबर 2023 | वर्ष-7 अंक-188, पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए | भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित | www.navpradesh.com

मध्य प्रदेश में सीएम को लेकर काउंटडाउन

दिल्ली में शाह-नड्डा से मिले प्रह्लाद पटेल; भोपाल में कमलनाथ ने शिवराज को बधाई दी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा में मुख्यमंत्री के चयन को लेकर भोपाल से लेकर दिल्ली तक हलचल तेज हो गई है। भाजपा के सभी केंद्रीय पदाधिकारी और मंत्री दिल्ली पहुंच गए हैं। सोमवार रात तक भाजपा संसदीय दल की बैठक हो सकती है। इसमें मुख्यमंत्री का नाम फाइनल किया जा सकता है।

इससे पहले नरसिंहपुर सीट से नवनिर्वाचित विधायक और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी सोमवार सुबह दिल्ली रवाना हुए। खबर है कि वे भी बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले हैं।

मुख्यमंत्री चयन को लेकर भाजपा जल्द ही पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर सकती है। ये पर्यवेक्षक मध्यप्रदेश के विधायक दल की बैठक लेकर विधायक दल के नेता का चयन करेंगे। इसी बैठक के बाद तय हो जाएगा कि मप्र का मुख्यमंत्री कौन होगा।

मौजूदा सीएम शिवराज सिंह चौहान सहित आधा दर्जन नेता सीएम पद के दावेदार हैं। एमपी से विधानसभा का चुनाव जीते नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल भी सीएम की रेस में हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैलाश विजयवर्गीय और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने दिल्ली में अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की

5 राज्यों में बीजेपी का प्रदर्शन मोदी मैजिक है: पटेल

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा ने सरकार बनाई है। साथ ही तेलंगाना और मिजोरम में भाजपा का जो प्रदर्शन है, वह मोदी मैजिक है। हमने आज संसद में अपनी खुशी व्यक्त की। 2024 में हम अपने आंकड़े को पार करने के लिए संकल्पित और उत्साहित हैं।

सीएम हाउस में बधाई देने वालों का आना-जाना

मुख्यमंत्री निवास में सोमवार को भी बधाई देने वालों का आना-जाना जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बधाई दी। बेटे नकुलनाथ भी साथ रहे। सोमवार को मंत्री भूपेंद्र सिंह और विश्वास सारंग भी सीएम हाउस पहुंचे। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भी हलचल है।

उधर, कांग्रेस कार्यालय में खामोशी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने बंगले में हार पर मंथन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिला और उन्हें बधाई दी। जब मैं मुख्यमंत्री बना था तो वे भी मुझे बधाई देने आए थे। मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि हम विरोधी दल रहेंगे, लेकिन प्रदेश हित में जो भी कर सकते हैं वो करेंगे।

नरोत्तम हुए भावुक, बोले- मैं लौटकर आऊंगा...

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद सोमवार को दतिया पहुंचे। उन्होंने कहा, क्या हार में क्या जीत में किंचित नहीं भयभीत मैं, कर्म पथ पर जो भी मिला यह भी सही वह भी सही।% जनादेश को हमेशा सिर-माथे पर लेना चाहिए। किसी भ्रम में मत आ जाना, समुद्र का पानी उतरता देखकर किनारे पर घर मत बना लेना, मैं लौटकर आऊंगा, ये वादा है। मैं ज्यादा देर तक शांत रहने वाला जीव नहीं हूं।

शाजापुर में पथराव को लेकर नवनिर्वाचित भाजपा विधायक अरुण भीमावत ने कहा- सुन लो कांग्रेस के नेताओं, मेरे कार्यकर्ता, कमल अमृत पर हाथ उठाया है। मैं उन हाथों को ढूंढ रहा हूं। उन्हें ऐसी सजा दूंगा, कानून ऐसी सजा देगा कि नानी-दादी याद आ जाएगी।

नई सरकार के गठन से पहले राज्यपाल से मिलीं मुख्य सचिव

मध्यप्रदेश में नई सरकार के गठन की तैयारी में बीजेपी हाईकमान जुट गया है। अधिकारी, मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर एक्टिव हो गए हैं। सोमवार को मुख्य सचिव वीरा? राणा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगू भाई पटेल से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उनके बीच मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चर्चा हुई है।

हार के कारणों की समीक्षा करेगी कांग्रेस

हार के बाद मप्र कांग्रेस कमेटी के चीफ कमलनाथ ने सभी प्रत्याशियों की बैठक बुलाई है। यह बैठक मंगलवार सुबह 11 बजे कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में होगी। इसमें हार के कारणों की विधानसभा वार समीक्षा की जाएगी। कांग्रेस को इस चुनाव में मात्र 66 सीटें ही मिल पाई हैं, जबकि 2018 में कांग्रेस के 114 विधायक चुनकर आए थे।

सिंधिया बोले- एमपी के मन में मोदी...

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, जहां तक मध्यप्रदेश का सवाल है तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके मन में एमपी और एमपी के मन में मोदी है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भी जीत का दावा करते हुए कहा, प्रचंड बहुमत के साथ 2024 में भाजपा की सरकार बनेगी। सिंधिया संसद के शीतकालीन सत्र के लिए दिल्ली में हैं।

शेष पृष्ठ 5 पर

आज बेबाक

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित करने के बाद ईवीएम ने पहली बार चैन की सांस ली थी। जिनके मन माफिक नतीजे सामने नहीं आए। उन्होंने ईवीएम के चरित्र पर उंगली नहीं उठाई। हारे हुए जुआरियों ने जनादेश को सहजता से स्वीकार किया। इससे ईवीएम खुश हो गई कि किसी ने उसे मुन्नी बदनाम नहीं किया। किन्तु उसकी खुशी जल्द ही काफूर हो गई। स्वनाम धन्य नेता उदित राज ने तीन राज्यों में भाजपा की जीत को ईवीएम से छेड़छाड़ का नतीजा बता दिया। इसे ही कहते हैं- नाच न आए आंगन टेढ़ा।

शिवपुरी में 1 इंच से ज्यादा बारिश, ग्वालियर में बूंदाबांदी: कई जिलों में छाया कोहरा

इस हफ्ते दिन में धूप, रातें रहेंगी सर्द

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में सोमवार को भी मौसम सर्द रहा। कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। शिवपुरी में तो दिनभर में एक इंच से ज्यादा पानी गिरा। वहीं ग्वालियर में बूंदाबांदी होती रही।

सोमवार को ग्वालियर प्रदेश में सबसे ठंडा शहर रहा। यहां दिन का पारा 5.1 डिग्री लुड़क गया। न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 4.9 डिग्री की गिरावट के साथ न्यूनतम 24.9 डिग्री, इंदौर में 26.2 डिग्री, जबलपुर में 29.4 डिग्री और उज्जैन में 23.8 डिग्री रहा।

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'मिचोंग' का असर मध्यप्रदेश के शहडोल, जबलपुर संभाग और आसपास होने की संभावना है। राजधानी समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश हो सकती है। 'मिचोंग' 5 दिसंबर को आंध्र के तट से टकराएगा। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन का कहना है कि अगले 5 से 6 दिन तक दिन में धूप और रातें सर्द रहेंगी। 11 और 12 दिसंबर को फिर से बारिश का दौर शुरू होगा।

पचमढ़ी की रात सबसे ठंडी

मध्यप्रदेश में रविवार को सबसे ठंडी रात पचमड़ी में 13.8 डिग्री रही। खरगोन में 14.2 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान नर्मदापुरम में 20.4 डिग्री रहा।

भोपाल में 7 डिग्री बढ़ा पारा

भोपाल में 1 ही दिन में अधिकतम पारा 7 डिग्री तक बढ़ गया। शनिवार शेष पृष्ठ 5 पर

एमपी में भाजपा के 27, कांग्रेस के 60 विधायक हारे

कांग्रेस का वोट शेयर 0.49 प्रतिशत घटा लेकिन 48 सीटें गंवाई; मंत्री नरोत्तम-कमल की हार ने चौंकाया

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज की है। भाजपा का वोट शेयर 7.53 प्रतिशत बढ़ा। 230 सीटों में से पार्टी को 163 सीटें मिली हैं। ये 2018 से 54 ज्यादा हैं। कांग्रेस का वोट शेयर 0.49 प्रतिशत घटा और पार्टी 114 से नीचे आकर 66 सीट पर सिमट गई। सपा, बसपा, AAP और निर्दलियों का खाता तक नहीं खुला। मात्र एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती है।

चुनाव में मोदी इफेक्ट और लाड़ली बहना इम्पैक्ट दिखा। इसके बावजूद भाजपा के 99 विधायकों में से 27 और 31 मंत्रियों में से 12 हार गए। 3 केंद्रीय मंत्रियों में फग्गन सिंह कुलस्ते, 4 सांसदों में गणेश सिंह भी हारे हैं। सिंधिया समर्थक 19 कैंडिडेट में से 9 नहीं जीत पाए। नरोत्तम मिश्रा, कमल पटेल की शिकस्त ने चौंकाया। इधर, कांग्रेस ने 85 विधायकों को टिकट दिया था, जिनमें 60 को हार का सामना करना पड़ा।

शाजापुर में रीकाउंटिंग को लेकर पत्थर-आंसू गैस के गोले चले। यहां कांग्रेस के पूर्व मंत्री हुकुम सिंह कराड़ा ने रीकाउंटिंग कराई, तो भातपा प्रत्याशी अरुण भीमावत 7 की जगह 28 वोट से जीते। जबलपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के विजय जुलूस में फायरिंग हुई।

भाजपा को पिछली बार से 7.53 प्रतिशत वोट शेयर ज्यादा

इस चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 2018 के मुकाबले 7.53 फीसदी बढ़ा। सीटों की संख्या भी 109 से बढ़कर 163 पर पहुंच गई। वहीं, कांग्रेस का वोट शेयर 2018 के मुकाबले 0.49 फीसदी घट गया। सीटें 114 के मुकाबले 66 ही रह गई। 2018 के मुकाबले कांग्रेस को 48 सीटों का नुकसान हुआ है।

दतिया से गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा कांग्रेस के राजेंद्र भारती से 7,742 वोटों से हार गए। भारती तीसरी बार नरोत्तम के खिलाफ मैदान में थे। कांग्रेस ने यहां पहले भाजपा से आए अवधेश नायक को टिकट दिया था, लेकिन बाद में बदलकर भारती को ही उतारा। नायक और भारती दोनों मिलकर लड़े। भारती को सहानुभूति मिली।

लहार सीट से 7 बार के विधायक डॉ. गोविंद सिंह भाजपा के अम्बरीश शर्मा गुड्डू से 12,397 वोट से हार गए। इस सीट पर पहली बार भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला हुआ। बसपा की टिकट पर उतरे गोविंद के रिश्तेदार रसाल सिंह ने कहा था- मैं भाजपा के गुड्डू को हराने के लिए मैदान में उतरा हूं। इस बयान से गुड्डू के पक्ष में माहौल बना।

हरदा सीट से पूर्व मंत्री कमल पटेल भी हार गए हैं। उन्हें कांग्रेस के आरके दोगने ने 870 वोटों से मात दी।

31 में से 12 मंत्री हारे, पिछली बार से 9 प्रतिशत कम

इस बार शिवराज सरकार के 33 में से 31 मंत्री मैदान में उतरे। इनमें से 12 मंत्री हार गए हैं। यानी करीब 39 फीसदी को जनता ने नकार दिया। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा कांग्रेस की शेष पृष्ठ 5 पर

मणिपुर में दो गुटों में गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

इंफाल । मणिपुर में सोमवार सुबह 10:30 बजे दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई। घटना म्यांमार बॉर्डर से लगे कुकी बहुल इलाके टेंग्नौपाल जिले के लीथू गांव की है। मारे गए लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। असम राइफ ल्स के मुताबिक, इलाके के एक विद्रोही समूह ने म्यांमार जा रहे उग्रवादियों पर ये हमला किया है। मणिपुर सरकार ने रविवार (3 दिसंबर) को कुछ इलाकों को छोड़कर पूरे राज्य में मोबाइल इंटनेट सेवाएं 18 दिसंबर तक के लिए बहाल की थीं। मोबाइल इंटरनेट से बैन वापस लेने के बाद गोलीबारी की यह पहली घटना है। राज्य में कुकी और मैतेई समूह के बीच आरक्षण के विवाद को लेकर 3 मई से हिंसा चल रही है। हिंसक घटनाओं में अब तक 200 लोग मारे गए हैं। 50 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर रिलीफ कैंप्स में रहना पड़ रहा है।

महिलाएं रहीं किंगमेकर्स बीजेपी के एक दांव ने पलटी बाजी

नई दिल्ली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनावों से पहले कांग्रेस ने कई सारे लोक-लुभावन वादे किए थे। इनमें कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, कैश स्कीम और एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी प्रमुख हैं। मगर, जब नतीजे आए तो ये सब असफ ल होते दिखे जबकि महिला मतदाताओं के लिए प्रोत्साहन भाजपा को काम आ गया। इन तीन राज्यों में समाप्त हुए विधानसभा चुनाव मुफ्त या रेवड़ी की राजनीति का भी संकेत देते हैं। खुद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सीनियर नेता इसे लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे। कांग्रेस के लिए भले उसकी घोषणाएं काम न आई लेकिन भाजपा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित शेष पृष्ठ 5 पर

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा चुनाव हारे

इंफाल (एजेंसी)। मिजोरम के 40 विधानसभा सीटों का रिजल्ट आ गया है। इस बार नई नवेली पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रं ट को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई हैं। मिजोरम में सबसे बड़ा उलटफेर आइजोल ईस्ट-1 सीट पर हुआ। यहां

मुख्यमंत्री जोरामथंगा चुनाव हार गए। उन्हें 'जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी के ललथनसंगा ने 2 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। हार के बाद सीएम ने डॉ. हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया। जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी की जीत पर शेष पृष्ठ 5 पर

गरमा-गरम

शीतकालीन सत्र... संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द

विस चुनाव पराजय का गुस्सा सदन में न निकालें : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 4 दिसंबर से शुरू हो गया। यह सेशन 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन के दौरान दोनों सदनों में 15 बैठके होंगी। लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के पहुंचते ही एनडीए के सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसदों ने नारे लगाए- बार-बार मोदी सरकार। तीसरी बार मोदी सरकार। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से अपील की। उन्होंने कहा कि बाहर मिली पराजय का गुस्सा सदन में मत निकालिए। सदन में सकारात्मक चर्चा कीजिए। लोकसभा में कार्यवाही शुरू

होते ही विपक्षी सांसदों ने बैनर लहराए। इस पर स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि सदन में प्लेकार्ड्स नहीं ला सकते। सदन नियमों के मुताबिक ही चलेगा। उधर, राज्यसभा ने आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द कर दिया। वे अगस्त 2023 से निलंबित चल रहे थे। इसके लिए भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने प्रस्ताव रखा था।

विपक्ष के लिए ये सत्र अपनी बात रखने का अच्छा मौका

पीएम ने कहा कि राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। चार राज्यों के नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम हैं। ये देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। महिलाएं, युवा, किसान और गरीब ये ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं, जिनका एम्पॉवरमेंट जरूरी है। जब आप लोक कल्याण के लिए काम करते हैं तो एंटी-इन्कंबेंसी फैक्टर खत्म हो जाता है। नई संसद है, कुछ कमियां महसूस हो सकती हैं। उन्हें दूर करेंगे। मुझे विश्वास है कि स्पीकर और उपराष्ट्रपति के निर्देशन में संसद चलेगी। सत्र के लिए हम विपक्ष के साथियों के साथ चर्चा करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

देशहित में सकारात्मकता का साथ दीजिए

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 9 साल की नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मकता लेकर आइए। सबका भविष्य उज्जवल है। बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में मत उतारिए। लोकतंत्र के मंदिर के वो मंच मत बनाइए। थोड़ा सा अपना रुख बदलिए। देशहित में सकारात्मकता का साथ दीजिए। देश के मन में कुछ बातों को लेकर नफरत पैदा हो रही है, उसे दूर कीजिए। सदन की कार्यवाही में सहयोग दीजिए। देश को सकारात्मकता का संदेश दें। लोकतंत्र में विपक्ष में महत्वपूर्ण और सामर्थ्यवान है। अब देश विकसित होने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहता। सभी सांसद इस भाव का आदर करते हुए आगे बढ़ें।

47 नए चेहरों पर भरोसा और दिग्गजों को भी मौका

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल कर 5 साल बाद जोरदार वापसी की है। राज्य में 2018 में भाजपा को कांग्रेस के हाथों बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में कांग्रेस 35 सीटें जीतने में सफल रही, जो 2018 में मिली जीत से 33 कम है। एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली है। एग्जिट पोल में पिछड़ने की भविष्यवाणियों के विपरीत भाजपा ने इस चुनाव में अपनी सीटें 15 से बढ़ाकर 54 कर ली है। 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद यह पहली बार है जब भाजपा को इतना बड़ा जनादेश मिला है। इस चुनाव में भाजपा ने 2018 चुनाव के 10.1 फीसदी मत अंतर को भी पाटा और उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव

में मिले 32.97 फीसदी से बढ़कर इस बार 46.27 फीसदी हो गया। कांग्रेस 43.04 से नीचे 42.23 फीसदी पर आ गई है। बीजेपी की इतनी बड़ी जीत के पीछे के कारण पार्टी आलाकमान का नए चेहरों पर भरोसा जताना माना जा रहा है। भाजपा ने इस चुनाव में करीब 47 नए चेहरों को मैदान में उतारा था, जिनमें से 29 विजयी हुए हैं। नए उम्मीदवारों का जीतना भगवा दल के लिए कई मायनों में खास है। ये नए लोग ही आगे चलकर छत्तीसगढ़ भाजपा में बड़ी जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं। 29 नए कैंडिडेट्स के जीतने से पता चलता है कि पार्टी की ओर से जमीनी स्तर पर कितनी मजबूती से प्रचार-प्रसार किया गया। बीजेपी ने भ्रष्टाचार, हिंदुत्व, लोकलुभावन वादों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत छवि जैसे मुद्दों लेकर

बघेल के 13 सदस्यीय मंत्रिमंडल के 9 लोग हारे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले 13 सदस्यीय मंत्रिमंडल के 9 सदस्य चुनाव हार गए हैं, जबकि बघेल (पाटन) और उनके तीन मंत्री कवासी लखमा (कोंटा), उमेश पटेल (खरसिया) और अनिला भेंडिया (डौंडी लोहारा) विजयी होने में कामयाब रहे। राज्य विधानसभा के अध्यक्ष चरण दास महंत ने अपनी सत्ती सीट जीत ली है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को चित्रकोट सीट पर हार का सामना करना पड़ा। इस साल अप्रैल में बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा की घटना को भाजपा ने लोगों के सामने रखा और साजा सीट से ईश्वर साहू को भी मैदान में उतारा। ईश्वर साहू के पुत्र की बिरनपुर सांप्रदायिक हिंसा में मृत्यु हुई थी। ईश्वर साहू ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और मंत्री रवींद्र चौबे को 5,196 मतों से हराया है।

चुनाव लड़ा था। राज्य में बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर थी, जिसमें कहा जाता है कि उसने लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। पार्टी ने 'छत्तीसगढ़ियावाद' और माटी पुत्र के रूप में बघेल की लोकप्रियता को भी भुनाने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रही। आदिवासी बहुल सरगुजा क्षेत्र में मतदान के परिपाटी ने भी कांग्रेस को परेशान किया है। इस क्षेत्र में कांग्रेस 2018 में जीती गई सभी 14 सीटें हार गई, जिनमें अंबिकापुर भी शामिल है, जहां उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को हार

महादेव सट्टेबाजी ऐप, कोयला और शराब घोटाले का आरोप

भाजपा का प्रचार अभियान प्रधानमंत्री मोदी की छवि पर बहुत अधिक निर्भर था। मोदी ने राज्य में जुलाई से चुनाव प्रचार के आखिर तक 9 सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया। पार्टी ने मतदाताओं से कई वादे भी किए। राज्य में प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं ने महादेव सट्टेबाजी ऐप, कोयला और शराब से संबंधित कथित घोटालों को लेकर लगातार बघेल सरकार पर निशाना साधा, जिनकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की ओर से की जा रही है। भाजपा ने राज्य में पिछले दिनों बेमेतरा और कवर्धा जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा और राज्य में धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेताओं ने बघेल सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। भाजपा की जीत के पीछे नए चेहरे आगे करने के साथ ही एक और बड़ा फैक्टर रहा। बीजेपी आलाकमान ने अपने कई पूर्व मंत्रियों पर भरोसा जताया और उन्हें मैदान में उतारा। राज्य के जनता ने एक बार से ऐसे नेताओं पर भरोसा जताया। भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह (राजनांदगांव), राज्य भाजपा प्रमुख और पार्टी सांसद अरुण साव (लोरमी), केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत), पार्टी सांसद गोमती साय (पत्थलगांव), पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय (कुनकुरी) और पूर्व मंत्री जिनमें बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर शहर दक्षिण), अजय चंद्राकर (कुरुद), पुन्नूलाल मोहिले (मुंगेली), अमर अग्रवाल (बिलासपुर), दयालदास बघेल (नवागढ़) और राजेश मूणत (रायपुर शहर पश्चिम) तथा पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम चुनाव जीत गए हैं।

का सामना करना पड़ा है। राजनीतिक विशेषज्ञों की राय है कि भाजपा के पारंपरिक वोट जो 2018 में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस के पास चले गए थे, उन्हें इस चुनाव में भगवा पार्टी ने बरकरार रखा।

छ न्यूज गैलरी

गहलोत ने कांग्रेस विजयी प्रत्याशियों को दी बधाई

जयपुर(वार्ता)। राजस्थान के

निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा आम चुनाव में विजयी हुए कांग्रेस प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी है। श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव जीतने वाले पार्टी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा आशा है कि आज सभी कांग्रेस पार्टी की नीति, विचारधारा एवं सिद्धांत को आगे बढ़ाने का काम बखूबी करेंगे एवं राजस्थान की जनता के हितों की रक्षा के लिए एक सशक्त विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में कांग्रेस ने 69 सीटें जीती है जबकि उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक दल ने भी एक सीट पर विजय पाई हैं।

औरंगाबाद में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्री की मौत, दो घायल

औरंगाबाद(वार्ता)। बिहार में औरंगाबाद जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में सड़क दर्घटना में एक व्यक्ति और उसकी पुत्री की मौत हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गये। पुलिस उपाधीक्षक नव वैभव ने सोमवार को यहां बताया कार पर सवार लोग रविवार की रात आजमगढ़ के लालगंज से झारखंड के धनबाद में छठी समारोह में शामिल होने जा रहे थे । भेड़िया गांव के समीप वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गयी। इस दुर्घटना में वाहन पर सवार दो लोगो की मौत हो गयी जबकि दो लोग घायल हो गये। मृतकों की पहचान कृष्णा सागर गुप्ता (48) एवं उनकी पुत्री खुशी गुप्ता(20) के रूप में की गयी है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि घायलों को औरंगाबाद सदर अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है।

हारते ही कांग्रेस को इंडिया गठबंधन में मिलने लगी नसीहत

घमंड हार गया, अकेले नहीं जीत पाओगे

नई दिल्ली(ए.)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के हाथ लगी करारी हार ने इंडिया गठबंधन की एकता की कलई को खोल दिया है। एमपी में जहां कांग्रेस अपनी बड़ी जीत को लेकर तमाम दावे कर रही थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तक में अपनी सरकार बचाने में कामयाब नहीं हुई। कांग्रेस की इस हार पर अब इंडिया गठबंधन ने उसे नसीहत दी है। सपा ने इसे घमंड की हार कहा तो जेडीयू बोली कि ये इंडिया गठबंधन नहीं अकेले कांग्रेस की हार है। ये अकेले चुनाव नहीं जीत सकते। एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने बंपर जीत के साथ हिन्दी बेल्ट में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। 2024 से पहले बीजेपी की ये जीत लोकसभा चुनाव में उसकी हैट्रिक के लिए उम्मीद बनकर सामने आई है। रविवार देर शाम तीनों राज्यों में जीत के बाद पीएम मोदी ने इसे 2024 लोकसभा चुनाव का संकेत बताया तो इंडिया गठबंधन पर निशाना साधने से भी नहीं चूके।

पीएम मोदी और राहुल क्या बोले

पीएम मोदी ने कहा, मेरी कांग्रेस और उसके साथियों को सलाह है कि ऐसी राजनीति न करें जो देश विरोधी हो और उससे देश कमजोर हो।卐 उधर, राहुल गांधी ने हिन्दी बेल्ट के तीनों राज्यों में करारी हार को स्वीकार करते हुए अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। उन्होंने ट्वीट में कहा कि हम जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। बीजेपी के साथ हमारी विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।

तेलंगाना में जीत राहत लाई

हालांकि कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि तेलंगाना में उसकी पहली बार सरकार बनाने जा रही है। यहां कांग्रेस ने 69 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया। जीत का सेहरा तेलंगाना कांग्रेस चीफ रेवंत रेड्डी के सिर बंधा है। पूरी संभावना है कि वह प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। उधर, बीआरएस 40 का आंकड़ा तक पार नहीं कर सकी। बीजेपी के खाते में 8 सीटें आई हैं।

एमपी-राजस्थान और छत्तीसगढ़ में रिजल्ट कैसा रहा

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी 164 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। कांग्रेस के खाते में 65 सीटें आई। अन्य के पास एक सीट आई है। यहां बीजेपी की 2003 से सरकार है। हालांकि 2018 में दो साल के लिए कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी जो 2020 में गिर गई। उधर, राजस्थान में शुरुआती मुकाबला कांटे का लग रहा था लेकिन, जल्द ही बीजेपी ने बढ़त हासिल की और फिर कांग्रेस को आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया। बीजेपी ने यहां 115 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। कांग्रेस को 69 सीट मिली हैं। वहीं, अन्य के खाते में 15 सीटें आई हैं। छत्तीसगढ़ चुनाव बड़ा रोचक रहा। कई एग्जिट पोल्स में यहां कांग्रेस की जीत के दावे किए जा रहे थे लेकिन, बीजेपी ने सभी भविष्यवाणियों को धताते हुए यहां भी जीत दर्ज की है। बीजेपी के खाते में कुल 90 में से 54 सीटें आई हैं। जबकि कांग्रेस 35 से आगे नहीं बढ़ पाई। अन्य के पास एक सीट आई।

इंडिया गठबंधन में किसने क्या कहा

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार पर इंडिया गठबंधन का गुस्सा फूटा है। अखिलेश यादव की पार्टी सपा ने इसे कांग्रेस के घमंड की हार कहा। यहां यह भी गौर करने वाली बात है कि एमपी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश और कमलनाथ में सीट बंटवारे को लेकर गहमा-गहमी सामने आई थी।

उधर, नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने कांग्रेस की हार पर नमक छिड़का है। कहा कि ये गठबंधन नहीं सिर्फ कांग्रेस की हार है। इस हार से यह भी साफ हो गया है कि कांग्रेस चुनाव अकेले नहीं जीत सकती।

हैदराबाद में बड़ा हादसा, ट्रेनी एयरक्राफ्ट हुआ क्रैश, 2 पायलटों की मौत

हैदराबाद(ए.)। तेलंगाना के हैदराबाद में बड़ा हादसा हुआ है। पिलाटस ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया और इसमें सवार 2 पायलटों की मौत हो गई है।

एयरक्राफ्ट डंडीगल में वायुसेना अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान क्रैश होने पर इंडियन एयरफोर्स ने बयान जारी कर कहा, ÷हैदराबाद से नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आज सुबह एक पिलाटस पीसी 7 एमके आईएल ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हमें अफ़सोस है कि विमान में सवार दोनों पायलटों को काफी गहरी चोट आई और उनकी मौत हो गई। हालांकि अच्छी बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। वहीं इस घटना के जांच के आदेश दे दिए गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पायलटों की मौत पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट - पर लिखा, हैदराबाद के पास हुए इस हादसे से दुखी हूं। यह बेहद दुखद है कि दो पायलटों की जान चली गई। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

राधिकापुर एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग

कोलकाता(वार्ता)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में सोमवार तड़के रेत से लदे ट्रक के दुर्घटनावश रेल ट्रैक पर आ जाने से अप राधिकापुर एक्सप्रेस के इंजन में आग लग गई, जिसमें करीब 15 यात्री घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों को चोटें साधारण हैं। इस खंड पर अप और डाउन ट्रेनों की 01.30 बजे से कुछ समय के लिए आवाजाही रोक दी गयी थी जब तक कि दूसरा इंजन साइट पर नहीं आया और ट्रेन को उसके गंतव्य तक खींच कर ले गया। यह गाड़ी उत्तर बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जा रही थी। सूत्रों ने पुष्टि करते हुए बताया कि यह दुर्घटना फरक्का के बल्लारपुर में तब हुई जब ओवरब्रिज पर अप-व्हील पर जा रहा रेत से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर रेलवे ट्रैक पर पीछे की ओर लुढ़क गया जिस समय राधिकापुर एक्सप्रेस इस खंड से गुजर रही थी।

भविष्य पर कयासों के बीच वसुंधरा के लिए जगी उम्मीद, मिला 35 का दम और दो विरोधी पस्त

नई दिल्ली। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अपनी परंपरागत सीट झालावाड़ में 53 हजार वोटों से जीत हासिल की है। फिर भी उनके भविष्य को लेकर कयास लग रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री बनेंगी या नहीं। इसकी वजह यह है कि भाजपा ने इस बार उन्हें सीएम फेस घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ा था।

इसके बाद भी भाजपा ने 115 सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की है। ऐसे में यह सवाल और तेजी से उठने लगा है कि वसुंधरा का क्या होगा? इस बीच एक चीज उनके लिए उम्मीद बंधाने वाली है। दरअसल वसुंधरा राजे के 35 समर्थक विधायकों को जीत हासिल हुई है। इतनी बड़ी तादाद

में समर्थक विधायकों का जीतना उन्हें सीएम की रेस में बने रहने के लिए मदद कर सकता है। इसके अलावा पार्टी के अंदर ही उनके दो प्रतिद्वंद्वी भी चुनाव हार गए हैं। भले ही पार्टी के तौर पर यह झटका है, लेकिन इससे वसुंधरा राजे की निजी महत्वाकांक्षाओं के द्वार जरूर खुलते हैं। विस में नेता विपक्ष राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया को हार मिली है। दोनों ही नेताओं का नाम सीएम पद की रेस में लिया जाता रहा है। इस तरह वसुंधरा राजे का अपना खेमा मजबूत हुआ है तो दूसरी तरफ दो दावेदार कम हो गए हैं। राजस्थान में चुनाव की शुरुआत में वसुंधरा राजे साइडलाइन नजर आ रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने जमकर प्रचार किया। वह पीएम मोदी और होम मिनिस्टर अमित शाह समेत सभी बड़े नेताओं की रैलियों में मौजूद रहीं। इस तरह उन्होंने राजनाथ के रण में मजबूती से वापसी की थी और अब फिर से सीएम बनकर यदि चौंका दें तो कोई हैरानी नहीं होगी। वसुंधरा राजे 2002 के बाद से ही राजस्थान में भाजपा की एकछत्र नेता थीं।

तीन राज्यों से मिली ताकत बदलेगी राज्यसभा के भी समीकरण, कांग्रेस को कितना झटका

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में जीत का लाभ भाजपा को राज्यसभा सीटें बचाए रखने में मिलेगा। वो 7 सीटें बीजेपी के पास ही रहेंगी जिनके मेंबर अगले साल अप्रैल में रिटायर्ड होने वाले हैं। कांग्रेस भी अपनी 2 सीटें बचा पाने में सफल हुई है। इनमें एक-एक सीट मध्य प्रदेश और राजस्थान से है। हालांकि, कांग्रेस को 2 अन्य सीटों का भी लाभ होने वाला है जो कि उसे तेलंगाना से मिलेंगी। फिलहाल इन दोनों सीटों पर भारत राष्ट्र समिति का कब्जा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव रिटायर होने वाले हैं जो कि राज्यसभा सदस्य के तौर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी अप्रैल 2024 में रिटायर होने वाले हैं जो मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। तीन राज्यों में मिली जीत का बीजेपी को राज्यसभा के लिहाज से अभी सीधा लाभ मिलता नहीं दिख रहा है जहां सत्ताधारी एनडीए अभी तक बहुमत में नहीं है। हालांकि, भगवा दल के राज्यसभा सदस्यों की संख्या 2026 और 2028 के चुनावों के बाद बढ़ने की संभावना है। इसके साथ ही कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों की संख्या भी तेलंगाना से बढ़ सकती है जहां की सभी 7 सीटों पर बीआरएस का कब्जा रहा है।

जीत के बाद भी बीजेपी को अभी क्यों नहीं मिल रहा सीधा लाभ

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 11 सीटें हैं जबकि राजस्थान में 10, तेलंगाना में 7 और छत्तीसगढ़ में 5 सीटें आती हैं। एमपी में फिलहाल बीजेपी के पास 8 सीटें हैं, बाकी 3 पर कांग्रेस काबिज है। अगर राजस्थान की बात करें तो यहां कांग्रेस के खाते में 6 सीटें और बीजेपी की झोली में 4 सीटें हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास 4 और भगवा दल के पास 1 सीट है। इसलिए, बीजेपी को बड़ा लाभ तो 2026 और 2028 में राजस्थान और छत्तीसगढ़ से ही मिलेगा, जहां 2018 से 2023 के बीच वह सत्ता में नहीं थी।

उम्र साथ नहीं, वत पास नहीं, वसुंधरा से केसीआर तक जीते-हारे, इन 5 दिग्गजों का अब या होगा

नई दिल्ली(ए.)। राजस्थान से लेकर तेलंगाना तक रविवार को आए चुनाव नतीजों ने कई नेताओं को भविष्य की नई राह दिखाई है तो कुछ के लिए यह डेड एंड जैसी स्थिति बन गई है। अपने-अपने राज्यों के टॉप नेता रहे इन लोगों की उम्र 70 के करीब है और 5 साल बाद होने वाले अगले चुनाव तक क्या स्थिति होगी, उसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। इन नेताओं में राजस्थान से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे हैं, जबकि मध्य प्रदेश में कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के आगे यही स्थिति है। वहीं तेलंगाना में केसीआर के आगे भी यह संकट पैदा हो सकता है।

77 साल के कमलनाथ की खत्म होगी सियासी पारी?

मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कमलनाथ को ही आगे करके चुनाव लड़ा था। वह पूरे कैंपेन में सबसे आगे रहे, लेकिन नतीजा बेहद निराशा करने वाला रहा है।

77 साल के कमलनाथ का आगे क्या भविष्य होगा, यह कहना मुश्किल है। कुछ वक्त पहले उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की भी चर्चा थी, लेकिन उन्होंने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ऐसे में अब उनके लिए कांग्रेस में क्या भूमिका होगी, यह कहना मुश्किल है। इसके अलावा पार्टी में दिग्विजय सिंह और उनके खेमे के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को लेकर कयास

छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने राजस्थान और एमपी की तरह ही बिना किसी सीएम फेस के चुनाव लड़ा था। इसके बाद भी चौंकाने वाले नतीजे आए हैं तो क्रेडिट पीएम मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को ही दिया जा रहा है। इस बीच सवाल यह भी है कि 15 सालों तक सीएम रहे रमन सिंह का अब क्या होगा। उनका नाम सीएम के लिए भी चर्चा में है, लेकिन पीएम मोदी जिस तरह नए प्रयोग करते रहे हैं, उसे देखते हुए उनकी भूमिका को लेकर कयास भी खूब हैं। फिलहाल उनके लिए राह बहुत आसान नहीं लगती।

पायलट से खूब हुई लड़ाई, पर अब क्या करेंगे अशोक गहलोत

राजस्थान में बीते 5 सालों में अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अदावत के बीच ही सरकार चलाई थी। फिर चुनाव हुए तो उसमें भी इसका असर दिखा। अब नतीजे सामने हैं और अशोक गहलोत सत्ता से बेदखल हो चुके हैं। उनकी उम्र फिलहाल 73 साल है और सचिन पायलट को हाईकमान ने जिस इंतजार की बात कही थी, वह शायद 5 साल बाद पूरा जाएगा। ऐसे में अशोक गहलोत राजस्थान या फिर केंद्र में कांग्रेस में किस भूमिका में होगे, यह बड़ा सवाल है। माना जा रहा है कि उनकी सियासी पारी को अब विराम लग सकता है।

केसीआर के लिए अब आर-पार जैसे हालात

तेलंगाना के गठन के लिए आंदोलन चलाने वाले केसीआर को 10 साल बाद सत्ता से बेदखल होना पड़ा है। केसीआर को खुद ही अपनी सीट पर मात झेलनी पड़ी और कांग्रेस को जीत मिली है। 69 साल के केसीआर 10 साल सीएम रहे हैं और अब अगली बार चुनाव तक उनकी उम्र 74 होगी। ऐसे में यह देखना होगा कि आगे की लड़ाई के लिए वह बेटे को तैयार करते हैं या फिर खुद राष्ट्रीय राजनीति की ओर रुख कर बेटे को राज्य में मौका देंगे।

वसुंधरा राजे ने जीत का श्रेय पीएम मोदी को दिया

वसुंधरा राजे को भाजपा ने इस बार सीएम फेस घोषित नहीं किया था। इसके बाद भी भाजपा ने 115 सीटें जीत ली हैं। खुद वसुंधरा राजे ने पीएम नरेंद्र मोदी को जीत का क्रेडिट दिया है। इस बीच राजस्थान में सीएम पद को लेकर कई नाम चर्चा में हैं। इनमें महंत बालकनाथ, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और सतीश पूनिया जैसे नेता चर्चा में हैं। ऐसे में वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। उन्होंने खुद चुनाव प्रचार के दौरान अपने बारे में कयास पैदा कर दिए थे, जब उन्होंने कहा था कि उनके बेटे दुष्यंत सिंह सांसद के तौर पर अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें झालावाड़ को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। 70 साल की हो चुकीं वसुंधरा राजे यदि सीएम नहीं बनती हैं तो आगे उनके लिए क्या अवसर होंगे, यह कहना मुश्किल है।

राष्ट्र प्रथम ही ध्येय रहा महाराणा प्रताप का: योगी

गोरखपुर(वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप,महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ जैसे ऋषि.मुनि और महापुरुष का एक ही ध्येय 'राष्ट्र प्रथम' का रहा है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री योगी ने सोमवार को कहा कि 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित और उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा पुष्पित.पल्लवित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों की भावनाओं के अनुरूप तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। शैक्षिक पुनर्जागरण के साथ ही यह परिषद स्वास्थ्य और सेवा के अन्य तमाम प्रकल्पों को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हर राह किसी न किसी मंजिल तक पहुंचाती है जरूरत सही मंजिल के लिए सही राह चुनने की है।

चुनाव नहीं लड़ने वाले 6 विधायक ने खाली किए आवास: अब 90 हारे विधायकों को भी पत्र भेजने की तैयारी में विधानसभा सचिवालय

भोपाल/नवप्रदेश। मप्र विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ने वाले 6 विधायकों ने आवास खाली कर दिए हैं। इन्हें विधानसभा सचिवालय ने आवास खाली करने का आग्रह किया था। अब विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद कांग्रेस और भाजपा के जो विधायक चुनाव हार गए हैं, अब उन्हें भी विधानसभा सचिवालय आवास खाली करने के लिए पत्र लिखेगा। चुनाव हारने वाले विधायकों की संख्या 90 है, जिसमें से 60 कांग्रेस के हैं। इनसे भी आने वाले दिनों में आवास खाली करने के लिए पत्राचार होगा।

नए विधायकों के भोपाल आने पर उनके रुकने के लिए विधायक विश्राम गृह के अलावा राजधानी में सर्किट हाउस और रेस्ट हाउस के 75 कमरे राज्य शासन से आरक्षित कराए जा रहे हैं। विधानसभा सचिवालय ने विधायकों के आवास व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

क्र बोले- 35 विधायकों को भेजा था अनुरोध पत्र

प्रमुख सचिव विधानसभा एपी सिंह ने बताया कि जिन विधायकों को टिकट नहीं मिला था, उन करीब 35 विधायकों को आवास खाली करने के लिए अनुरोध पत्र भेजा था। अब चूंकि परिणाम घोषित हो गए हैं तो ऐसे विधायक जो चुनाव जीत नहीं पाए हैं। उनकी संख्या और नाम की जानकारी जुटाई जा रही है और उनसे भी आवास खाली करने के लिए कहा जाएगा। ताकि नए विधायकों को आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। तात्कालिक व्यवस्था के तौर पर विधायक विश्राम गृह में आवासों की सफाई, पुताई का काम कराया जा रहा है। साथ ही राज्य शासन से भी 70 से 75 कमरे सर्किट हाउस और रेस्ट हाउस में रिक्त रखने को कहा है ताकि विधायकों को विधायक विश्राम गृह में व्यवस्था होने तक अस्थायी तौर पर रुकने की सुविधा दी जा सके।

इन 6 विधायकों ने खाली किए आवास

विधानसभा चुनाव परिणाम के पहले विधानसभा सचिवालय ने 34 विधायकों को विधायक विश्राम गृह के आवास खाली करने पत्र लिखा था। इसमें से विधायक रामलाल सहारे, कुंवरजी कोठार, पंचूलाल प्रजापति, पी तंतुवाय, पहाड़ सिंह कन्नौजे, शिवदयाल बागरी ने आवास खाली कर दिया है। अब चूंकि

परिणाम घोषित हो गए हैं तो सचिवालय फिर बाकी निर्वतमान विधायकों को आवास खाली करने पत्र लिखेगा।

15 दिन पहले आवास खाली करने का लिखा था पत्र

विधानसभा सचिवालय ने विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद पत्र लिखकर जिन विधायकों पत्र लिखकर आवास खाली करने के लिए कहा था उसमें सीताराम आदिवासी, राकेश मावई, मेवाराम जाटव, रक्षा सिरोनिया, बीरेंद्र रघुवंशी, गोपीलाल जाटव, राजेश प्रजापति, पुरुषोत्तम लाल तंतुवाय, शिवदयाल बागरी, श्यामलाल द्विवेदी, पंचूलाल प्रजापति, अमर सिंह शामिल हैं। इनके अलावा रामलल्लू वैश्य, सुभाष राम चरित्र, नंदनी मरावी, देवी सिंह सैयाम, ब्रम्हा भलावी, लीना संजय जैन, राजश्री सिंह, रामचंद्र दांगी, कुंवरजी कोठार, पहाड़ सिंह कन्नौजे, देवेंद्र वर्मा, राम दांगोरे, सुमित्रा देवी कास्डेकर से भी आवास खाली करने के लिए कहा गया है। विधानसभा सचिवालय ने इनके अलावा ग्यारसीलाल रावत, दिलीप कुमार मकवाना, देवीलाल धाकड़, जालम सिंह पटेल, रघुनाथ मालवीय, राज्यवर्धन, सुलोचना रावत, आकाश विजयवर्गीय, पारस जैन को भी आवास खाली करने के लिए कहा जा चुका है।

टिकट पाने के बाद ये विधायक हारे चुनाव

टिकट पाने के बाद जो विधायक चुनाव हारे हैं उसमें सूबेदार सिंह रजौधा जौरा, अजब सिंह कुशवाहा सुमावली, रविंद्र सिंह तोमर दिमनी, कमलेश जाटव अंबाह, संजीव सिंह कुशवाह भिंड, प्रवीण पाठक ग्वालियर दक्षिण, लाखन सिंह यादव भितरवार, घनश्याम सिंह सेवढ़ा, प्रागीलाल जाटव करैरा, केपी सिंह पिछोर, लक्ष्मण सिंह चांचौड़ा, जसपाल सिंह जज्जी अशोकनगर, महेश राय बीना, हर्ष यादव देवी, तरवर सिंह लोधी बंडा, राकेश गिरि टीकमगढ़, शिशुपाल यादव पृथ्वीपुर, राहुल सिंह लोधी खरगापुर, नीरज दीक्षित महाराजपुर, विक्रम सिंह नाती राजा राजनगर, आलोक चतुर्वेदी छतरपुर, प्रद्युम्न सिंह लोधी बड़ा मलहरा शामिल हैं।

हारने वालों में ये विधायक भी

विधायक रामबाई सिंह पथरिया, अजय टंडन दमोह, कल्पना वर्मा रैगांव, नारायण त्रिपाठी मैहर, शरदेंदु तिवारी चुरहट, कमलेश्वर पटेल सिहावल, सुनील सराफ कोतमा, विजय राघवेंद्र सिंह बड़वारा, संजय यादव बरगी, विनय सक्सेना जबलपुर उत्तर, तरुण भनोट जबलपुर पश्चिम, भूपेंद्र मरावी शहपुरा, हिना कावरे लांजी, अर्जुन काकोड़िया बरघाट, राकेश पाल सिंह केवलारी, नर्मदा प्रसाद प्रजापति गोटेगांव, संजय शर्मा तेंदूखेड़ा, सुनीता पटेल गाडरवारा, सुखदेव पांसे मुलताई, निलय डागा बैतूल, धर्म सिंह सिरसाम भैंसदेही, संजय शाह टिमरनी, देवेंद्र सिंह पटेल उदयपुरा, रामपाल सिंह सिलवानी, शशांक भार्गव विदिशा, पीसी शर्मा भोपाल दक्षिण पश्चिम भी चुनाव हारे हैं। साथ ही बापू सिंह तंवर राजगढ़, प्रियव्रत सिंह खिलचीपुर, विपिन वानखेड़े आगर मालवा, हुकुम सिंह कराड़ा शाजापुर के नाम हैं।

न्यूज गैलरी

राकेश पाल: केवलारी विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार

केवलारी/नव प्रदेश। मेरा अपनो का केवलारी मेरे सपनों का केवलारी हार जीत चुनाव का एक पक्ष हैं।एक पक्ष जीतता हैं तो एक पक्ष हारता है।यह तो एक जनादेश की सत्यता हैं।में अपने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एंव जनता जनार्धन का आभार व्यक्त करता हूँ।जिन्होंने मेरा साथ दिया।मेरे साथ खड़े रहे।अपने अपने को धन्य मनाता हूँ।जो मुझे भारतीय जनता पार्टी एंव जनता के जैसा परिवार मिला हैं। मेरा ओर आपका स्नेह का नाता था और हैं और रहेगा। मेरी केवलारी मेरा

परिवार हैं और रहेगा।में आपके बीच मे रहूँगा। मेरे दिल के,मन के दरवाजे आप सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। मेरे फोन 24 घण्टे आपके लिए हमेशा से चालू थे और रहेंगे। आपकी हर समस्या में पहले भी में साथ था और रहूँगा।पर में हरा नहीं हूं। में अपनी केवलारी के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एंव जनता के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहूँगा।मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी हैं। में अपनी केवलारी के विकास कार्य को लेकर हर अपनी बात पहुँचाता रहूँगा। मेरी केवलारी का विकास कही नही रुकने दूंगा।आपके सुख ओर दुख में साथ ओर साथ रहूँगा। मेरे केवलारी विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के युवा भाइयों एंव कार्यकर्ताओं से निवेदन हैं।भारतीय जनता पार्टी एक परिवार और हमें अपने परिवार को छोड़कर कही भी जाने की जरूरत नहीं हैं हम अपने भारतीय जनता पार्टी के परिवार को ओर मजबूत बनाएंगे। में भारतीय जनता पार्टी के अपनी मेरी केवलारी विधानसभा क्षेत्र के परिवार के खड़ा था और खड़ा रहूँगा और में भी आपका साथ ऐसे ही चाहता हूँ।हमें भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन बनाये रखना हैं।

नेशनल लोक अदालत 09 दिसम्बर को

सिवनी नव प्रदेश। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकारण सिवनी श्री राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन 09 दिसम्बर को 2023 को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। नेशनल लोक अदालत में नगरपालिका निगमों/ नगरपालिका परिषद एवं विद्युत से संबंधित प्रकरणों में मिलेगी छूट में जिला स्तर एवं तहसील स्तर पर दिनांक 09 दिसम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में भी राजीनामा के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इस संबंध में श्रीमान विकास शर्मा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिवनी ने बताया कि नगर पालिका निगम अधिनियम 1966 की धारा 162 व 163 तथा म.प्र. नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 130, 131 तथा 132 में निहित शक्तियों को उपयोग में लाते हुए राज्य शासन द्वारा सम्पतिकर अधिभार जल उपभेक्ता प्रभार में निम्न शर्तों के साथ छूट प्रदान की जा रही है, यह छूट उन निकायों में प्रभावशील नहीं होगी जहां निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ है:- संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 50,000/-तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट। जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 10,000/- तक बकाया होने पर 100 प्रतिशत तक की छूट। संपत्ति कर के ऐसे करण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 50,000/- से अधिक तथा रू. 100000/- तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट।जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 10000/- से अधिक तथा रू. 50000/- तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 75 प्रतिशत की छूट।संपत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 100000/- से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट। जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि रू. 50000/- से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट। यह छूट मात्र एक बार ही दी जायेगी। छूट उपरांत राशि अधिकतम दो किश्तों में जमा करायी जावेगी, जिसमें से कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन जमा कराई जाना अनिवार्य होगा। साथ ही नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं यमितताओं के प्रकरण में भी राजीनामा के आधार पर निपटारा किया जाएगा। विद्युत अधिनियम की 135 एवं 126 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में छूट दिए जाने आदेष जारी किया गया है। जिसके अनुसार न्यायालय में लंबित प्रकरणों में कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक 6 माही चक्रवृद्धि अनुसार 16 प्रतिशत की दस से लगने वाले व्याज की राशि में 100 प्रतिषत की छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही ऐसे प्रकरण जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है, कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश की तिथि से 30 दिवस के पश्चात् प्रत्येक 6 माही लगने वाले चक्रवृद्धि व्याज की राषि में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

जल संकट को लेकर लोगों ने किया चक्का जाम

सिवनी/नवप्रदेश। सिवनी अभी विधानसभा चुनाव के परिणाम आए हुए 24 घंटे पूर्ण भी नहीं हुए हैं और लोगों ने चक्का जाम करना प्रारंभ कर दिया है नगर मुख्यालय के अकबर वार्ड निवासीयों ने बताया कि अभी ठंड का आगाज हुआ है। और अभी से ही इस क्षेत्र में पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है शिकायत करने पर समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है जिससे क्षेत्र वासियों में रोष व्याप्त है नगर पालिका इस समस्या के निदान को लेकर उदासीनता बरत रही है लेकिन समस्या का समाधान करने को लेकर कोई कदम नहीं उठाए गए लोगों का कहना है कि अनेकों बार नगर पालिका में पेयजल को लेकर लोगों ने अपनी बात रखी और जब ठंड में पानी की समस्या बनी हुई है तो गर्मी में इसका अंजाम क्या होगा यह चिंता का विषय बना हुआ है।

इस संबंध में पार्षद अजय पांडे से लोगों ने चर्चा की तो

उन्होंने भी स्वीकार किया और इस बात को हमने नगर पालिका के जलप्रदाय विभाग से भी चर्चा की थी लेकिन परिणाम से सिफर निकले अगर यही हाल रहा तो लोगों को हो सकता है कोई बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़े अचानक सुबह लोगों ने कुछ देर के लिए चक्का जाम कर दिया था लेकिन समझाइए के बाद लोगों का गुस्सा ठंडा तो हो गया लेकिन शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हो सकता है लोग उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो।

रोड जाम करने में ये लोग रहे शामिल लक्ष्मण रजक, दयाराम अहिरवार, राजकुमार मिश्रा, रामप्यारी बाई, मकबूल खान, नफीस खान, वीर सिंह, लच्छू अहिरवार, कोमल सनोडीया राधा सनोडीया, दुर्गेश, रानू भाई ।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसम्बर को

सिवनी नव प्रदेश। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अधिकारी सिवनी द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर 2023 को मनाया जाना है, इस अवसर पर प्रात- 9-30 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सिवनी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा जिला सैनिक कल्याण कार्यालय स्टॉफ एवं एनसीसी कैडेट द्वारा नगर के सम्मानित जनों को झण्डे लगाने का कार्य किया जाएगा तथा उनके द्वारा दी जाने वाली राशि को दान पात्र में एकत्रित की जाएगी। एकत्रित राशि सैनिकों एवं शहीदों के परिजनों के कल्याणार्थ हेतु भेजी जाएगी। प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर 2023 को मनाऐ जाने वाले सशस्त्र सेना दिवस को लेकर महामहीम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने संदेश जारी कर कहा है कि संचालनालय सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश 7 दिसम्बर 2023 को सशस्त्र सेना दिवस मना रहा है। झंडा दिवस सशस्त्र सेनाओं की प्रतिबद्ध सेवाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शन की सराहनीय पहल है। सभी शहीद परिजन, पूर्व सैनिक और उनके आश्रितों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की ढेर सारी

डी ई ओ एवं वी ई ओ ने दिए शोकॉज नोटिस

समय पर नहीं आने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही है

सिवनी/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी में लंबे समय से शिक्षकों के समय पर शाला में उपस्थित न रहने को लेकर शिकायत आ रही थी इस मामले में देखा गया कि उपसंचालक जिला शिक्षा विभाग ने विगत दिवस साला समय पर उचक निरीक्षण किया और पांच शिक्षकों को समय पर उपस्थित न होने पर कार्यवाही करते हुए स्पष्टीकरण मांगा था तथा एक दिन के वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए थे 29 नवंबर की को की गई कार्रवाई में अब्दुल शाहिद खान श्री राम ठाकुर उमाशंकर चौरसिया श्रीमती भानु पवार कुमारी प्रिया कुशवाहा पर कार्रवाई की गई थी।

इसी तरह विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने 29 नवंबर को ही शाला का औचक निरीक्षण के दौरान कल्पना भार्गव ममता अहिरवार मृदुल तिवारी को भी अनुपस्थित पाया गया था इन्हें भी सका सका नोटिस दिया गया था उल्लेखनीय है कि जिला शिक्षा अधिकारी से कमरे द्वारा लंबे समय से शैक्षणिक गुणवत्ता में आ रही कमी को सुधारने के उद्देश्य से शासन के निर्देश पर कार्यवाही प्रारंभ की गई है साथ ही इस सत्र में विधानसभा चुनाव के कारण शैक्षणिक सत्र प्रभावित हुआ है तथा अधिकांश शाला में अध्यापन एवं अन्य गतिविधियों को लेकर अनुपस्थित बढ़ती जा रही है जिसको लेकर अब शिक्षा विभाग आगामी दिनों में परिणामों को सुधारने के उद्देश्य से कार्यवाही कर सकता है सभी शिक्षकों को इस बात के भी निर्देश दिए जा रहे हैं कि वह शाला लगे तथा कालखंड के दौरान शाला में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहते हुए समय सीमा में अपने कोर्स को पूर्ण करें तथा शासन के निर्देशों का पालन करें जिससे शिक्षण गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम के बेटे पर एफआईआर

चुनावी रंजिश पर धमकाया, बोला-पापा विधायक बन गए अब बोल तेरा क्या होगा

ग्वालियर/नवप्रदेश। शिवपुरी के पिछोर से भाजपा नेता प्रीतम लोधी को विधायक बने अभी कुछ ही घंटे हुए हैं, लेकिन वह एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार बेटे दिनेश लोधी के कारण वह सुर्खियों में हैं। चुनावी रंजिश के चलते प्रीतम के बेटे ने एक युवक को धमकाया है। बोला है पापा विधायक बन गए हैं अब बोल तेरा क्या होगा। तू अपने पैरों पर चल पाएगा।

धमकी रविवार रात लगभग 10 बजे दी गई है। धमकी के शिकार युवक ने धमकी की ऑडियो रिकॉर्डिंग कर पुरानी छावनी थाना में शिकायत की है। जिस पर पुलिस ने धमकाने वाले पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के जलालपुर निवासी सिकंदर सिंह यादव पुत्र जण्डेल सिंह यादव ने रविवार रात को ही पुरानी छावनी थाना पहुंचकर शिकायत की है कि बीती रात पौने दस बजे उसके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल दिनेश सिंह लोधी निवासी जलालपुर का था। कॉल रिसीव करते ही दिनेश सिंह ने उसे धमकी दी थी कि अब उसके पिता विधायक बन गए है और अब उसे कौन बचाएगा। ना उसके हाथ सुरक्षित रहेंगे और ना पैर। धमकाने वाले ने यह भी कहा कि क्या अब वह अपने पैरों पर चल पाएगा। धमकी के शिकार युवक ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसने उनकी एक ना सुनी। धमकी के शिकार युवक पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग की है जिसे पुरानी छावनी थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने सिकंदर की शिकायत पर और ऑडियो टेप को आधार बनाकर पुलिस ने धमकाने का मामला दर्ज कर लिया है। सिकंदर यादव से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के बेटे दिनेश की चुनावी रंजिश है। जब दिनेश ने पार्षदी का चुनाव लड़ा था। उस समय चुनाव में खिलाफ जाने पर सिकंदर से उसका विवाद हुआ था। उसी समय से यह विवाद चला आ रहा है। अब जब पिछोर से दिनेश के पिता विधायक बन गए तो उसने कॉल कर धमकाया है। जब इस मामले में विधायक पुत्र से बात करने की कोशिश की गई तो उनका नंबर बंद आ रहा था।

पुलिस का कहना

इस मामले में पुरानी छावनी थाना पुलिस का कहना है कि धमकी शिकायत दिनेश लोधी के खिलाफ आई थी। जिस पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनेश राय ने ऐतिहासिक जनादेश के लिए माना सभी के प्रति आभार

सिवनी नव प्रदेश। रविवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के जनमानस द्वारा पुनः दिये गये ऐतिहासिक जनादेश के लिए श्री दिनेश राय मुनमुन ने सभी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि सिवनी विधानसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र के मतदाता बंधुओं ने बड़े उत्साह के साथ भारतीय जनता पार्टी एवं मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुए पुनः ऐतिहासिक जनादेश देकर जो भरोसा जताया है उसके लिये विधानसभा क्षेत्र के समस्त मतदाता बंधुओं, मातृशक्ति, वरिष्ठ भाजपा नेताओं,भाजपा

पदाधिकारियों, जेष्ठ-श्रेष्ठ देवतुल्य कार्यकर्ताओं का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही श्री दिनेश राय मुनमुन ने शांति पूर्ण, निष्पक्ष मतगणना प्रक्रिया संपन्न कराने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवक की हत्या के मामले में पन्ना पुलिस का खुलासा: बहन के घर आता था प्रेमी, भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर कर दी हत्या

शव को बोरी में भर कर नाले में फेंका

पन्ना/नवप्रदेश। बीते दिनों जिले के सलेहा थाना क्षेत्र अंतर्गत पहारूवारी से एक युवक की हत्या का मामला सामने आया था। जिसका शव गांव के समीप नदी में पाया गया था। उक्त मामले में पन्ना पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण थोटा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा किया है।

एसपी ने बताया कि मृतक का गांव की एक महिला से प्रेम प्रसंग था। जिससे महिला के भाई ने अपने दोस्तों, बहिन बहनोई के साथ मिलकर युवक की हत्या की थी। पुलिस ने मामले से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। और फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दरअसल, 17 नवंबर को मृतक राजेश लोधी के भाई राम मिलन लोधी पिता उज्जी लोधी(28) निवासी पहारुवारी ने थाना सलेहा में अपने भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट में बताया था कि मेरा भाई 16 नवम्बर को राजेश घर से घूमने जाने की कहकर गया था लेकिन घर वापस नही आया। इसके बाद सलेहा थाना प्रभारी

सरिता तिवारी ने युवक की तलाश शुरु की। इसके बाद मुखबिर के सूचना मिली कि ग्राम पिपरिया में नदी के पुल के नीचे एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गुमशुदा राजेश सिंगरौल पिता उज्जी सिंगरौल (22) निवासी पहारुवारी के शव को बरामद किया। पोस्टमॉर्टम में पता चला कि मृत्यु चोट पहुंचाने और गला घुटने से मौत हुई है। इसके बाद थाना सलेहा में अज्ञात आरोपियों के मामला दर्ज किया गया। जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक का गांव की एक महिला के यहां आना जाना था। पुलिस ने महिला के घर जाकर पता किया कि महिला घटना के दिन से ही परिवार सहित गायब है। साथ ही पुलिस टीम को जानकारी मिली की घटना के एक दिन पहले महिला के भाई और भाई के 2 दोस्तों को महिला के साथ देखा गया है। पुलिस ने मामले में संदेही महिला के भाई और 2 दोस्तों को पहाड़ीखेरा से पकड़ कर पूछताछ की। जिसमें उन्होंने अपने अपने नाम पंकज सिंगरौल पिता श्यामबहादुर सिंगरौल (19) ,शहजाद शेख मंसूरी (19) ,मुस्ताक शेख मंसूरी पिता बबलू शेख मंसूरी (19) बताया। पुलिस ने घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर महिला के भाई पकंज सिंगरौल ने बताया कि मृतक राजेश मेरी बहन के घर आता जाता था। इसी बात को लेकर मेरी बहन बहनोई ने आपत्ति ली तो मृतक लड़ने को तैयार हो गया।

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पड़ गई भारी

पांच राज्यों के जो चुनाव परिणाम सामने आए हैं उसमें भाजपा ने तीन राज्यों में प्रचंड जीत दर्ज की है एक प्रदेश में कांग्रेस को बहुमत मिला है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को जो अभूतपूर्व सफलता मिली है। उसका श्रेय निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। जिनकी गारंटी सब पर भारी पड़ गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन सभी राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार यही कहते थे कि ये मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी का मतलब यह है कि इस गारंटी की पूरा होने की भी गारंटी है। मोदी की बात पर मतदाताओं ने भरोसा जताया। नतीजतन तीन राज्यों में कमल खिल गया और तेलंगाना में जहां कांग्रेस को बहुमत मिला है वहां भी भाजपा ने अपनी सीट एक से बढ़ाकर आठ कर ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही पूरे चुनाव को लीड किया था। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा ने किसी नेता को भावी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को ही सामने रखकर भाजपा ने चुनाव लड़ा था। जिसकी विपक्ष ने यह कह कर खिल्ली उड़ाई थी कि भाजपा बिना दुल्हे की बारात निकाल रही है किन्तु भाजपा की यह रणनीति सफल सिद्ध हुई । तीन राज्यों में उसे उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली और इस तरह पीएम मोदी का चेहरा जीत की गारंटी बन गया। हालांकि भाजपा की इस बड़ी जीत के पीछे भाजपा के और भी कई अनाम योद्धाओं का योगदान रहा है। जिन्होंने पर्दे के पीछे रह कर ऐसी रणनीति बनाई और बूथ मैनेजमेंट पर फोकस किया। जिसके चलते विपक्ष की सारी रणनीति और लोक लुभावन घोषणाओं की बौछारें धरी की धरी रह गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन तीन राज्यों में भाजपा की भारी बहुमत से जीत के बारे में इतने आश्वस्त थे कि चुनाव प्रचार के दौरान वे यह कह रहे थे कि वे वोट मांगने नहीं आए है बल्कि लोगों को इस प्रदेश में भाजपा की सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने आए है। पीएम मोदी का यह आत्मविश्वास ही भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए जादू का काम कर गया। पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर काम किया और भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाई यदि यह कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी कि यह मोदी मैजिक की जीत है। विधानसभा चुनाव जिसे सत्ता का सेमीफाइल माना जा रहा था। उसमें भाजपा को मिली कामयाबी के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि 2024 में होने वाने लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को चुनौती देना विपक्ष के लिए बेहद मुश्किल होगा। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस जीत को जनता की जीत निरूपित किया है उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा को सभी वर्ग का और हर जाति व समाज का समर्थन मिला है जिनके आशीर्वाद से ही भाजपा तीन बड़े राज्यों में जीत का परचम लहराने में सफल हुई है। विधानसभा चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए उत्साहवर्धक हैं और अब पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की हैट्रिक लगवाने के लिए कटिबद्ध हो रहे हैं। बहरहाल भाजपा ने शानदार तरीके से सेमीफाइनल जीत लिया है और अब वह फाइनल जीतने की तैयारी में दोगुने जोश के साथ जुट रही हैं। उम्मीद तो यही की जा रही हैं कि आगामी लोकसभा में भी मोदी मैजिक ही चलेगा और फिर एक बार केन्द्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनेगी। यद्यपि लोकसभा चुनाव में पांच माह बाकी है और इस अवधि में विपक्ष अपनी करारी हार के कारणों की समीक्षा कर अपनी कमियों को दूर करने में सफल हो जाता है तो वह लोकसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी चुनौती देने की स्थिति में आ सकता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

तारकेश्वर मिश्र

एक वक्त वो था जब हम रक्षा क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरे देशों के मोहताज थे। लेकिन अब इस मोर्चे पर भारत की स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को लेकर आगे बढ़ रहा भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की राह पर धीरे-धीरे, लेकिन मजबूती के साथ कदम आगे बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर मजबूत हो रही है, भारत रक्षा क्षेत्र के लिए जरूरी सामानों के आयात को कम कर रहा है और उसके लिए मेक इन इंडिया अभियान के तहत घरेलू बुनियादी ढांचे का निर्माण पर ज़ोर दे रहा है. आयात कम करने का ये मतलब नहीं है कि उन सामानों की जरूरत ही नहीं है, बल्कि उन सामानों को अब भारत अपने देश में ही बनाने पर फोकस कर रहा है। ऐसे वक्त में जब भारत की सीमाओं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सामरिक चुनौतियां मिल रही हैं, रक्षा तैयारियों में किसी तरह की सुस्ती घातक साबित हो सकती है। इसी चुनौती के मद्देनजर सेना की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने हेतु बृहस्पतिवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 2.23 लाख करोड़ रुपये की रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं को प्रारंभिक मंजूरी दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी गई है। कुल खरीद के 98 फीसदी उत्पाद घरेलू रक्षा उद्योगों से प्राप्त किए जाएंगे। निस्संदेह, इससे देश के रक्षा उद्योग को बड़ा संबल मिलेगा। वहीं, इससे हम हथियारों पर खर्च होने वाली दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी बचा सकते हैं। साथ ही देश में हथियारों के उत्पादन को गति मिलेगी और इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस और 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई। निस्संदेह, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगातार चुनौतीपूर्ण स्थिति बने रहने के चलते देश अपनी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। डीएसी का यह निर्णय भी सुखद है कि भारत की एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स द्वारा सुखोई लड़ाकू विमान के बेड़े को उन्नत करने के वायुसेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। निस्संदेह, सेना की जरूरतों को देश के रक्षा उद्योग के जरिये पूरा करना एक दूरगामी पहल है। इतिहास गवाह है कि कारगिल युद्ध में जरूरी युद्धक सामग्री व भारी हथियारों के लिये जरूरी कल-पुर्जों को हासिल करने में देश को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई देशों ने संकट काल में मुंह फेर लिया था। लेकिन यहां ध्यान रखना जरूरी है कि रक्षा उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। ऐसा न हो कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में संकट के अनुरूप गुणवत्ता के हथियार न मिलने पर सेना को असहज व मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़े। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्पना को पूरा करने के लिए सबसे जरूरी है देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़े घरेलू उद्योग को मजबूत करना और इसके लिए केंद्र सरकार पिछले कुछ सालों से कई तरह के ठोस फैसले ले रही है। घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार उन उपकरणों, पुर्जों और सेवाओं की लगातार पहचान कर रही है, जिनसे जुड़ी जरूरतों को देश की कंपनियों से पूरा किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाते हुए भारत धीरे-धीरे रक्षा क्षेत्र में विदेशों से खरीद के मुकाबले घरेलू खरीद की हिस्सेदारी को बढ़ा रहा है। 2018-19 में, घरेलू खरीद, कुल खरीद का 54: था. ये आंकड़ा 2019-20 में बढ़कर 59 फीसदी और 2020-21 में 64 फीसदी हो गया। 2022-23 के लिए इसे 68 फीसदी कर दिया गया था। इसमें से 25: बजट निजी उद्योग से खरीद के लिए निर्धारित किया गया था. 2023-24 के लिए इसे 75: तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत 2023-24 में घरेलू रक्षा खरीद के तहत करीब एक लाख करोड़ रुपये घरेलू उद्योग के लिए रखा गया है। स्वदेशीकरण और घरेलू खरीद पर फोकस करने का ही नतीजा था कि 2018-19 से 2021-22 के बीच चार साल की अवधि में विदेशी स्रोतों से रक्षा खरीद पर खर्च 46 फीसदी से घटकर 36 फीसदी हो गया और अब इसे इस साल 25 फीसदी ले जाना है। भारत सरकार हर साल केंद्रीय बजट में पूंजीगत खर्च यानी कैपिटल एक्सपेंडिचर को भी बढ़ा रही है और इसका लाभ भी बाकी क्षेत्रों के साथ ही रक्षा क्षेत्र को भी मिल रहा है। 2023-24 के केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय में भारी बढ़ोतरी की गई। इसके लिए 10 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

पूंजीगत व्यय में 37.4: का इजाफा किया गया है।

किशन भावनानी

हमारी नीति और निर्णयों के मूल में देश और देशवासी हैं। इसलिए हमारी सरकारें सिर्फनीतियां नहीं बनाती, बल्कि हर हकदार हर लाभार्थी तक वह पहुंचे, यह भी सुनिश्चित करती है। पार्टी परफॉर्मेंस और डिलीवरी की राजनीति देश के सामने लेकर आई है। भारत का मतदाता जानता है कि स्वार्थ क्या है, जनहित और राष्ट्रहित क्या है। दूध और पानी का भेदभाव देश जानता है। जैसे-तैसे जीतने के लिए हवा-हवाई बातें करना और लोभ लालच की घोषणा करना, यह मतदाता को पसंद नहीं आता है। मतदाता को उसका जीवन बेहतर करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप चाहिए। एक भरोसा चाहिए। भारत का वोटर यह जानता है जब भारत आगे बढ़ता है तो राज्य आगे बढ़ता है। हर परिवार का जीवन बेहतर होता है। इसलिए वह भाजपा को चुन रहा है। लगातार चुन रहा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि चार विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का परिपक्व आदेश आया - क्या जनता जनार्दन ने 2024 हैट्रिक का रास्ता दिखाया ?

क्या जनता जनार्दन ने 2024 में हैट्रिक का रास्ता दिखाया

वैश्विक स्तरपर सबसे बड़े लोकतंत्र में 3 दिसंबर 2023 को देर रात्रि तक चली वोटो की गिनती में भारत के लोकतंत्र और परिपक्व मतदाताओं ने अपना बहुमूल्य निर्णय सुना दिया है, बड़े-बड़े नेताओं को किनारे लगा दिया है और उत्तर भारत मेंसत्ताधारी पार्टी को अपने सर आंखों पर बिठाया है तो दक्षिण भारत में उन्हें फिर किनारे लगा दिया है यानी हम लंबे समय से देख रहे हैं कि एक पार्टी उत्तर भारत में तो जीत का परचम लहरा रही है लेकिन लंबे समय की मेहनत के बाद भी दक्षिण भारत पर अपनी शॉप छोड़ने में सफल नहीं हो सकी है और अभी भी उनके हाथ खाली रहे। हालांकि अभी 3 दिसंबर 2023 को घोषित परिणाम में उसे वोट प्रतिशत औरसीट जरूर बड़ी हुई दिखाई दे रही है परंतु सत्ता से पूरी तरह दूर रही है, आने की संभावना दूर-दूर तक नहीं दिख रही है। तेलंगाना कर्नाटक केरल तमिलनाडु सहित अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में दिखाई दे रहा है। हालांकि पार्टी ने हार नहीं मानी है और लगातार प्रयास जारी रखने का निर्णय लेना सराहनीय है परंतु अभी चार राज्यों के नतीजा से सब्सुबाहट शुरू हो गई है कि क्या जनता जनार्दन 2024 लोकसभा चुनाव में हैट्रिक का मन बनाया है? क्योंकि विपक्षी पार्टी के अभी चार नॉरेटिव को जनता ने ज़मीदरोज कर दिया है चार विधानसभा चुनाव प्रचार के समय शब्दों का चयन, पनौती जेबकतरा का असर जनता जनार्दन पर नहीं पड़ा और इन विधानसभा परिणाम की गाज दूर तक जाएगी क्योंकि विपक्षी एलाइंस इंडिया ने आनन फानन में 6 दिसंबर 2023 को बैठक बुलाई है । चूंकि चार राज्यों की विधानसभा चुनाव में जनता जनार्धन ने अब अपना निर्णय सुना दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे लोकसभा चुनाव 2024 सेमीफाइनल के नतीजे घोषित दुनियां की नज़रें हैट्रिक पर लगी।

साथियों बातें कर हम विधानसभा चुनाव परिणाम 3 दिसंबर 2023 की करें तो, पीएम ने कहा इन परिणामों की गूंज दूर तक जाएगी। पूरी दुनिया में इन चुनाव परिणामों की गूंज सुनाई देगी। यह चुनाव परिणाम दुनियाभर के निवेशकों को नया भरोसा देगा। आजादी के अमृतकाल में विकसित भारत को जो सपना हमने देखा है, उसे लगातार जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। आज दुनिया देख रही है कि भारत का लोकतंत्र और मतदाता कितने परिपक्व हैं। आज दुनिया देख रही है कि भारत की जनता पूर्ण बहुमत के लिए स्थिर सरकार के लिए सोझ समझकर वोट कर रही है।मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के नतीजों ने ढ्ढआई.एन.डी.आई.ए अलायंस में खलबली मचा दी हेयर बड़ी पार्टी के अध्यक्ष ने आनन-फानन में 6 दिसंबर को मां गठबंधन की मीटिंग बुलाई है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में से आज चार राज्यों के नतीजेघोषित हुए हैं। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा भारी बहुमत के साथ चुनाव जीते है। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आए हैं। तेलंगाना में भारत राष्ट्रीय समिति को शिकस्त देखनी पड़ रही है। भारत राष्ट्रीय समिति के के चंद्रशेखर राव वाली सरकार के कई बड़े मंत्री भी चुनाव हारते हुए दिखाई दे रहे हैं। तीन राज्यों में मिल रही करारी शिकस्त के बीच से तेलंगाना से कांग्रेस के लिए बड़ी उम्मीद आई है। यही कारण है कि तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। तमाम एग्जिट पोल में भी तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती हुई दिखाई दे रही थी और अब नतीजे में भी यही तब्दील होता हुआ दिख रहा है। साथियों बात अगर हम 3 दिसंबर 2023 देर शाम माननीय पीएम द्वार अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन की करें तो, पीएम ने कहा, पार्टी के कार्यकर्ताओं पर जिम्मेदारी और बढ़ गई है।क्योंकि नकारात्मक शक्तियां अब तेजी से एकजुट होने का प्रयास कर रही हैं। समाज में खाई पैदा करने वाले अब नए मौके तलाशेंगे। हमें उनसे मुकाबला भी करना है। उनका जवाब भी देना है। लेकिन उससे भी बढ़कर हमें जनता की रीढ़ को बनाए रखना है।पीएम ने आगे कहा, आज के ये नतीजे उन ताकतों को भी चेतावनी है जो प्रगति और जनकल्याण की राजनीति के खिलाफ खड़े रहते हैं। जब भी विकास होता है, बड़ी पार्टी और उसके साथी विरोध करते हैं। जब हम वंदे भारत लॉन्च करते हैं तोबड़ी पार्टी और उसके साथी मजाक उड़ाते हैं, जब हम गरीबों के लिए घर बनाते हैं तो वे रुकावट डालते हैं, जब हम नल से जल की योजना बनाते हैं तो वे इस पर रोड़ा डालते हैं। ऐसी सभी पार्टियों को आज गरीबों ने चेतावनी दी है। पीएम ने कहा, ऐसे लोग जो भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने वाली जांच एजेंसियों पर प्रहार करने में जुटे हैं, वे समझ लें कि ये चुनाव नतीजे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का भी जनसमर्थन है। ये चुनाव नतीजे कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के लिए बड़ा सबक है। ये सबक है कि सिर्फ कुछ परिवारवादियों के मंच पर एक साथ आ जाने से फोटो कितनी अच्छी निकल जाए, देश का भरोसा नहीं जीता। देश की जनता का दिल जीतने के लिए राष्ट्रसेवा का जज्बा होना चाहिए और गठबंधन में वो रत्ती भर भी नजर नहीं आता है। उन्होंने कहा, कुछ लोग तो कह रहे हैं कि आज की इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है। आज के जनादेश ने यह भी साबित किया है कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद को लेकर देश के भीतर, देश के हर नागरिक के दिल में जीरो टॉलरेंस बन रही है। आज देश को लगता है कि इन तीन बुराइयों को खत्म करने में अगर कोई प्रभावी है, तो पार्टी ही है। पार्टी की केंद्र सरकार ने देश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो अभियान छेड़ रखा है, उसको भारी जनसमर्थन मिल रहा है। यह उन दलों, नेताओं को मतदाता की साफ-साफ चेतावनी है, जो भ्रष्टाचारियों के साथ खड़े होने में जरा भी शर्म महसूस नहीं करते। उन लोगों को आज देश की जनता ने साफ-साफ संदेश दे दिया है। पीएम ने कहा, पार्टी ने सेवा और सुशासन की राजनीति का नया मॉडल देश के सामने पेश किया है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1746 स्पेनिश शासन के खिलाफ जेनोवा में विद्रोह किया गया। 1757 ल्यूटन की लड़ाई: प्रशियाई सेना ने ऑस्ट्रियाई को धराशायी कर दिया। 1766 जेम्स क्रिस्टी ने क्रिस्टी की नीलामी की पहली बिक्री लंदन के घर में की। 1868 पहला अमेरिकी साइकिल कॉलेज खोला गया। 1876 फायर ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क में ब्रुकलिन थिएटर में हुआ, जिसमें कम से कम 278 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर धूम्रपान के कारण थे। 1879 पहला स्वचालित फोन स्विचिंग प्रणाली तैयार की गयी। 1892 जॉन थॉम्पसन कनाडा के चौथे प्रधानमंत्री बने। 1893 एकाधिक मतदान न्यू साउथ वेल्स में समाप्त किया गया। 1893 टोरंटो में पहली इलेक्ट्रिक कार बनी जो एक बार चार्ज होने पर 15 मील चलती थी। 1916 ब्रिटिश प्रधान मंत्री एच। एच। अस्क्विथ ने महायुद्ध के संचालन में दृढ़ता की कमी के कारण इस्तीफा दे दिया। 1950 सिक्किम भारत का संरक्षित राज्य बना। 1971 भारत ने बंगलादेश को एक देश के रूप में मान्यता दी। 1999 भारतीय सुंदरी युक्ता मुखी 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।

आज का पंचांग

सूर्योदयः 07:05, सूर्यास्तः 05:29
चन्द्रोदयः 23:35, चन्द्रास्तः 12:21

अयन दक्षिणायणे (दक्षिणगोलीय)

ऋतुः हेमन्त, शक सम्वतः 1945 (शोभकृत), विक्रम सम्वतः 2080 (पिंगल), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : कृष्णा, तिथि : अष्टमी, नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी, योग : विष्कुम्भ, प्रथम करण : विष्टि (08:41 तक), द्वितीय करण : बव (21:59 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : सिंह, मंगल : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम, मार्गी), बुध : धनु (अस्त, पूर्व, वक्री), गुरु : मेष (उदित, पश्चिम, वक्री), शुक्र : तुला (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, मार्गी), राहु : मीन, केतु : कन्या

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त 11:46 से 12:27, अमृत काल 21:53 से 23:41, रवियोग 06:57 से 24:35, विजय मुहूर्त 13:50 से 14:31, गोधूलि मुहूर्त 17:14 से 17:41, सायाह्न सन्ध्या 17:16 से 18:39, निशिता मुहूर्त 23:40 से 24:35, राहुकाल 15:00 से 16:30, राहुवास उत्तर-पश्चिम, यमगण्ड 10:49 से 12:07, दुर्मुहूर्त 12:27 से 13:09, होमाहुति गुरु, दिशाशूल पूर्व, अग्निवास आकाश

QUIZ TIME

1) भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कहां स्थित है?

2) डाम्फा वन्य जीव अभ्यारण्य किस भारतीय राज्य में अवस्थित है?

3) किस देश को दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का प्रवेश द्वार कहा जाता है?

4) निरंकारी आंदोलन की शुरुआत किसने किया था?

5) हाल ही में न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कानपुर (2) मिजोरम (3) वेनेजुएला (4) बाबा दयालदास (5) क्रिस्टोफर लक्सन

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत गुरुजी

मेष : आज के दिन गृहक्लेश के कारण वातावरण कलुषित होगा।

वृषः आज के दिन आपको विविध उलझनों का सामना करना पड़ेगा खासकर पारिवारिक उलझने अकस्मात गंभीर रूप धारण कर सकती है।

मिथुनः आज के दिन आप प्रत्येक कार्यो में आलस्य-प्रमाद के कारण लाभ के अवसर हाथ से गवां सकते है।

कर्कः आपका आज का दिन साधारण रहेगा फिर भी मानसिक रूप से प्रसन्न रहने के वातावरण बनते रहेंगे। सेहत में थोड़ी खराबी रह सकती है।

सिंहः आज के दिन भी अधिकांश समय परिस्तिथियां आपकी आशाओं के विपरीत रहेंगी। पारिवारिक उलझनों के चलते अपने आपको बंधन में अनुभव करेंगे।

कन्याः आज का दिन आपको पुराने परिश्रम का फल देगा। व्यवहारिकता से बनाये सम्बन्धों से लाभ की संभावनाएं बनेगी।

तुलाः आज के दिन आपको घर अथवा व्यावसायिक क्षेत्र पर कुछ विशेष कार्य सौपे जा सकते है इन्हें यथा शीघ्र पूर्ण कर लेंगे।

वृश्चिकः आज दिन का पहला भाग सुख-शांति से व्यतीत करेंगे आलस्य के कारण घरेलु कार्यो को अनदेखा करेंगे जिससे मामूली नोकझोंक हो सकती है।

धनुः आज आप अधिकांश समय आराम में बिताना पसंद करेंगे। स्वास्थ्य सम्बंधित शिकायत पेट सम्बंधित समस्या मुख्यतः रहेगी।

मकरः आज का दिन आप आनंद के साथ व्यतीत करेंगे। घर बाहर का वातावरण सहयोगी रहने से समस्त कार्य आसान बनेंगे।

कुंभः आज आप कई दिनों से टल रही घरेलु उलझनों को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे घर के सभी सदस्य बैठ कर महत्त्वपूर्ण विषयो पर चर्चा कर सकते है।

मीनः आज के दिन का पूर्वार्ध कुछ ख़ास नहीं रहेगा दैनिक कार्य सामान्य गति से चलते रहेंगे।

वर्ग पहेली

शब्द सामर्थ्य -263

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

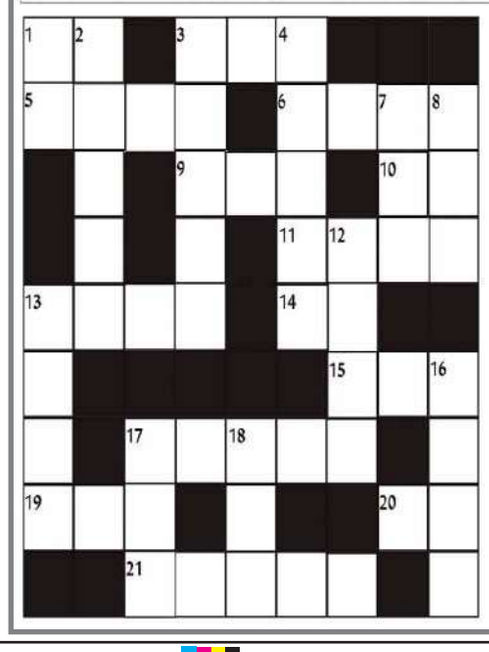

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 262 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

न्यूज गैलरी

11 नग स्पोर्ट्स साइकिल, बाइक बरामद

कोरबा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री जितेन्द्र शुक्ला के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री भूषण एक्का एवं थाना प्रभारी कोतवाली श्री रूपक शर्मा के मार्गदर्शन व चैकी प्रभारी मानिकपुर प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में मानिकपुर पुलिस चोरी किये गए 11 नग स्पोर्ट्स साइकिल और 1 नग मोटर साइकिल को जप्त करने में सफलता प्राप्त हुई है। सुचना प्राप्त हुई कि भदरापारा बालको निवासी भूपेश साहू उर्फ राहुल साहू चोरी के साइकिल और मोटर साइकिल को बेचने के लिए मानिकपुर क्षेत्र में ग्राहक तलाश रहा है। उक्त सूचना पर आरोपी भूपेश साहू को रेलवे कॉलोनी में घेराबंदी कर पकड़ा गया और उसके बताये जगहों से 11 नग स्पोर्ट्स साइकिल और एक मोटरसाइकिल को बरामद कर कार्यवाही कि गई है।

हर्षित ने ऑल इंडिया चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

कोरबा/नवप्रदेश। एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी अब ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए हुए योग्य बिलासपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा बिलासपुर में आयोजित 22वीं राज्य सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी हर्षित ठाकुर ने जीत हासिल की। पुरुष एकल का फाइनल रायपुर के रौनक चैहान और कोरबा के हर्षित ठाकुर के बीच खेला गया। हर्षित विजेता बने। हर्षित ने बैडमिंटन की दुनिया में एक असाधारण रास्ता बनाया है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनकी कहानी लचीलेपन और दृढ़ संकल्प की है, जो हमें बाधाओं के बावजूद अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। हर्षित ठाकुर को एनटीपीसी कोरबा की नैगम सामाजिक डाइत्व्य के अंतर्गत (सीएसआर) प्रशिक्षित किया जा रहा है। एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित हर्षित ठाकुर ने हाल ही में 24 से 29 नवंबर 2023 तक चंडीगढ़ में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। हर्षित ठाकुर ने कहा, ष्मैं और मेरी टीम अब जनवरी 2024 में होने वाली ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालिफाई हो गए हैं।ष् उन्होंने कहा, ष्मैं एनटीपीसी कोरबा द्वारा दिए गए समर्थन के लिए वास्तव में आभारी और आभारी हूं।

पुलिस ने बरसाए डंडे, युवक घायल

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। युवक पर खाकी के जुल्म बरपाने का मामला सामने आया है. जहां एक युवक ने आरक्षक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है. युवक के शरीर पर जख्म के निशान भी हैं. पीड़ित ने मामले की शिकायत एसपी से की है. एसपी ने मामले में संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है. बता दें कि, शहर के दुकानदार खिलेश्वर दास ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया है. पीड़ित ने शिकायत में बताया कि, गुरुवार की रात करीब 9 बजे तुर्की तालाब के पास पुलिस आरक्षक राठौर जबरन उसे कोतवाली थाना ले गया, जहां उसके साथ जमकर मारपीट की. इस दौरान सोने की बाली और करीब 12 हजार नगद रुपये गुम हो गए।

छात्रों का स्वास्थ्य जांच कर दिया परामर्श

मुंगेली/नवप्रदेश। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में सीएमएचओ डॉ. देवेंद्र कुमार पैकरा के निर्देशन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. एमके राय ने बच्चों के कान, नाथ व गला की जांच की। डॉ. देवेश खंडे की निर्देशन में नेत्र सहायक अधिकारी बीएस पटेल, शंकर राम सप्रे व अमित खंडेकर ने आंख की जांच की। डॉ. कासिम कुरैशी ने दांत की जांच की। इस अवसर पर डॉ. ज्वाला प्रसाद कौशिक ने एड्स से संबंधित जानकारी दी और इसके बचाव के उपाय बताए। आयोजन को सफल बनाने में एके सोनी, पीके राय, ए पटेल, केडी साहू, मनजीत यादव, आशा, करिश्मा, आर तोमर, वी मिश्रा, ए दास आदि ने सहयोग किया।

नृत्य स्पर्धा में अक्षत को मिला कांस्य पदक

मुंगेली/नवप्रदेश। श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय नृत्य स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें मुंगेली जिला के अक्षत गुप्ता ने हिस्सा लिया और कांस्य पदक पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में अलग-अलग देश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहां स्पर्धा हर साल अलग-अलग देशों में आयोजित की जाती है। बता दें कि प्रतियोगिता के पहले चरण में देश से 15 हजार प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई, इसमें से दूसरे चरण के लिए केवल 2 हजार प्रतिभागियों को चयनित किया गया। दूसरा चरण मुंबई में आयोजित किया गया। अगले चरण के लिए 200 प्रतिभागियों को चयनित किया गया। ये सभी प्रतिभागी श्रीलंका में होने वाली प्रतियोगिता में शामिल हुए। वहीं अंतिम चरण के लिए 20 प्रतिभागियों का चयन हुआ। इन 20 प्रतिभागियों मे से अक्षत गुप्ता एक थे। स्पर्धा में अक्षत ने तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। उन्हें सुधा चंद्रा व मास्टर शेरिफ ने कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। सुधा ने अक्षत के नृत्य की का सराहना की। अक्षत ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां जया गुप्ता, मामा सुमित गुप्ता व छोटी बहन आस्था गुप्ता को दिया है। अक्षत के नृत्य के गुरु अश्मित है।

धान पासिंग के लिए ग्रेडर पर उगाही का आरोप

पेंड्रा/नवप्रदेश। मरवाही विकासखंड के धान खरीदी केंद्र ग्राम निमधा में ग्रेडर द्वारा धान पासिंग के लिए किसान से अवैध वसूली का आरोप लगा है। आरोप है कि ग्रेडर बनाए गए कृषि विस्तार अधिकारी के द्वारा धान पासिंग करने के लिए रुपए मांगा जा रहा है। हालांकि इस मामले में जीपीएम कलेक्टर ने कृषि विभाग के सहायक संचालक को जांच का आदेश दिए है, लेकिन इन दिनों ग्रेडिंग और सत्यापन के नाम पर जिले में किसानों से हो रही अवैध वसूली से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। खरीदी केंद्रों में धान की फसल को बेचने के लिए किसानों को आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। कठिन परिश्रम से उपजाए धान को बेचने किसान को धान खरीदी केंद्रों में तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सत्यापन के नाम पर भी किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। इससे किसानों में प्रशासन के विरूद्ध नाराजगी भी बढ़ते जा रही है। सत्यापन के नाम पर भी किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

मोहले शुरूआत में पिछड़े फिर बनाई बढ़त और जीते

मुंगेली/नवप्रदेश। विधानसभा चुनाव में मतदान पश्चात जिले के दो विधानसभा मुंगेली एवं लोरमी के प्रत्याशियों को प्राप्त मतों की मतगणना की गई। मतगणना में मुंगेली विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले अपने निकटतम कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी से सातवें राउण्ड से बढ़त हासिल करते हुये अंतिम तक 85 हजार 429 मत प्राप्त किये। वही कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी 73 हजार 648 मत प्राप्त किये। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 11 हजार 781 मतों से विजयी रहे। लोरमी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के थानेश्वर साहू से शुरू से बढ़त बनाते हुये 75 हजार 70 मत प्राप्त हुये। वही कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू को 29 हजार 179 मत प्राप्त हुये। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव 45 हजार 891 मतों से विजयी रहे। मतगणना स्थल के बाहर सुबह 6 बजे से लेकर देर रात्रि तक समर्थकों एवं नागरिकों की भीड़ लगी हुई है। मुंगेली विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी को जहां शुरू में 6वें राउण्ड तक बढ़त मिला। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 7वें राउण्ड से बढ़त बनाते हुये 20वें राउण्ड अंतिम तक 85 हजार 429 मत प्राप्त किये। वही कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी 73 हजार 648 मत प्राप्त किये। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 11 हजार 781 मतों से विजयी रहे। लोरमी विधानसभा में भी मुकाबला दिलचस्प रहा। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव शुरू से लेकर 19वें राउण्ड तक बढ़त बनाते हुये 75 हजार 70 मत प्राप्त हुये। वही कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू को 29 हजार 179 मत प्राप्त हुये। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव 45 हजार 891 मतों से विजयी रहे। मतगणना के दौरान जहां लोरमी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी अरूण साव सुबह मतगणना स्थल में पहुंचकर कार्यकर्ताओं से जानकारी लेने के बाद रायपुर निकल गये थे। मतगणना की जानकारी एवं बढ़त की जानकारी मिलने पर प्रमाण पत्र लेने के लिये अरूण साव मतगणना स्थल पर पहुंचें।

डॉ चरण दास महंत 12,395 मतों से जीते

सक्ती/नवप्रदेश। रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 35 सक्ती पंकज डाहिरे से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 35-सक्ती से चरण दास महंत को 81,519 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः डॉ. खिलावन साहू को 69,124, भैया जितेंद्र चौहान को 3,464, अनुभव तिवारी (अन्नू भैया) को 2752, राजकुमार पटेल को 672, धरम लाल कंवर को 616, मोतीराम साहू को 491, राजेंद्र साहू को 374, घनश्याम सिंह सिदार को 289, भीम कुमार पटेल को 270, कमला बरेठ को 234, खिलावन साहू को 212, जुगल किशोर भारती को 189, फागुलाल जयसवाल को 103 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 909 वोट पड़े। इस तरहचरण दास महंत 12,395 मतों से विजयी हुए।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 चंद्रपुर सुश्री दिव्या अग्रवाल से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर से श्री रामकुमार यादव को 85525 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः श्रीमती संयोगिता युद्धबीर सिंह जूदेव को 69549, लालसाय खूंटे को 16898,गणेश राम चालाक को 680, सौरालाल भगत को 654, हिन्देश कुमार यादव को 647, अजीत कुमार को 599, कन्हैया लाल साहू को 499, हीरासिंह कुर्रे को 350 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 1028 वोट पड़े। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 37 जैजैपुर अरूण कुमार सोम से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 37-जैजैपुर से बालेश्वर साहू को 76747 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः कृष्णकांत चंद्रा को 50825, केशव प्रसाद चन्द्रा को 26877, ओमप्रकाश बंजारे को 10405, टेकचंद चन्द्रा को 3330, दुर्गा लाल केंवट को 1852, आलोक कुमार सोनवानी को 717, श्रीमती नीतू कुर्रे को 526, हिन्देश कुमार यादव को 480, मनोज कुमार बंजारे को 349, सर्वेश कुमार गुप्ता को 338, रामपाल कश्यप को 325, भोज राम खूंटे को 259, उर्मिला खूंटे को 209, सनिव कुमार डहरे को 195 मत प्राप्त हुए।

हाथियों के डर से आठ घंटे जंगल के बीच झाड़ियों में दुबका रहा ग्रामीण

कोरबा/नवप्रदेश। कटघोरा वन मंडल के ग्राम गुरसियां में धान मिसाई कर शाम छह बजे घर वापस लौट चार ग्रामीणों का सामना 18 हाथियों के साथ हो गया। चारों डर के मारे भागने लगे। तीन ग्रामीण घर वापस लौट गए लेकिन एक ने जंगल के बीच झाड़ियों में शरण ले ली। आठ घंटे तक वह झाड़ियों में दुबका रहा। हाथियों को जगह से खदेड़ने के बाद वन कर्मियों ने रेस्क्यू कर ग्रामीण को बाहर निकाला।

जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। खेतों में धान कटाई के बाद खलिहानों में रखे धान के आसपास मंडराने लगे है। गुरसियां निवासी प्यारे सिंह ने धान मिसाई के लिए करमन सिंह बांधापारा, राजकुमार गुरसियां, चंद्रभान और सरमिहा बिंझावार सेंद्रीमुड़ा को अपने घर बुलाया था। सुबह से शाम तक धान मिसाई का चलता रहा। काम पूरा होने के बाद चारों मजदूर घर वापस लौट रहे थे। वे सभी उमेंद सिंह के खेत के पास पहंचे ही थे कि 18 हाथी सामने से आते दिखाई दिए।

हाथियों के दल को अचानक सामने पाकर चारों सिर पर पांव रखकर भागने लगे। करमन,राजकुमार व चंद्रभान ग्राम सेंद्रीमुड़ा की ओर भागे। वहीं सरमिहा बिंझवार 65 वर्ष जंगल की ओर भागा और झाड़ियों के बीच दुबक गया। देर रात तक सरमिहा के वापस नहीं लौटने पर उसके घर में कोहराम मच गया। लोगों को शंका होने लगी कि कहीं सरमिहा हाथी के चुंगल में तो नहीं फंस गया। मामले की सूचना ग्रामीणों ने वनपाल गुरबारी बाई को दी। उन्होने इसकी सूचना अपने साथी वन कर्मियों को दी। टीम के साथ पहुंचे वन कर्मियों ने पहले हाथियों दूसरी ओर खदेड़ा।

कर्मियों ने सरमिहा के नाम से आवाज देना शुरू किया। उधर सरमिहा ने भी खुद को झाड़ी में छपे होने की सूचना दी। देर रात तक झाड़ी में छुपे सरमिहा का स्वास्थ्य ठंड की वजह से बिगड़ गई थी। वह चलने में असमर्थ था। वन कर्मियों उसे कांधे पर उठाकर वापस बस्ती लाए और स्थानीय अस्पताल में इजाज कराया। तब कहीं लोगों ने राहत की सांस ली।

विद्युत प्लांट में घुसे दो जंगली सूअर

कोरबा/नवप्रदेश। बांगो परियोजना माचाडोली जल विद्युत प्लांट परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों में सुबह तब हड़कंप मच गया जब दो जंगली सूअर भटक कर परिसर में घुस गए। बाहर निकलने का मार्ग नहीं पाने के कारण दोनों वन्य जीव इधर उधर भागने लगे। इसकी सूचना वन अमले को दी गई। विभागीय टीम ने रेस्क्यू कर सूअरों को जंगल की ओर खदेड़ा। वन्य जीवों के जंगल में भटककर रहवासी क्षेत्र में आने की घटना आए दिन घटित होते रहती है। इस कड़ी में में कटघोरा वन मंडल के एतमानगर रेंज के ग्राम माचाडोली विद्युत प्लांट में दो जंगली सूअर घुस गए। दरअसल प्लांट का परिसर सघन पेड़ों से भरा पड़ा है। आसपास गांवों के लोगों ने मूंगफली और शकरकंद की खेती की हैं। जमीन के भीतर लगे फसल को चट करने में सूअर माहिर होते हैं। माना जा रहा है कि रात के समय भूख मिटाने के लिए खेत पहुंचे थे और वापसी के समय भटक कर प्लांट के भीतर चले गए। प्लांट के अंदर सूअर आने की जानकारी के बाद भय के कारण सभी सुरक्षा कर्मी कमरों में छुप गए। घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ कुमार निशांत ने वन कर्मियों को माचाडोली प्लांट भेजा।

आगामी वित्तीय वर्ष में छग में 6,300 मेगावाट तक बढ़ेगी बिजली की खपत

कोरबा/नवप्रदेश। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने आगामी वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत 6,300 मेगावाट तक पहुंचने का पूर्वानुमान लगाया है। तीन साल में पीक अवधि के दौरान बिजली की मांग में 958 मेगावाट की वृद्धि हुई है, यानी इस अवधि में करीब 19 प्रतिशत बिजली की मांग राज्य में बढ़ी है। घरेलू मांग के अलावा बिजली की खपत उद्योगों और खेती-किसानी में है।

अधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य में चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर के बीच पीक अवर्स (शाम छह से रात नौ बजे तक) में बिजली की औसतन मांग 5,836 मेगावाट रही। जबकि वर्ष 2022-23 की समान अवधि में मांग 5,339 मेगावाट रही। इसके पहले वर्ष 2021- 22 में औसतन मांग 4,878 मेगावाट दर्ज की गई थी। छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या लगभग तीन करोड़ है। बीते तीन वर्ष के आंकड़े बता रहे हैं कि अधिकतम मांग अवधि यानी पीक पीरियड के दौरान विद्युत की खपत तेजी से बढ़ रही है। राज्य में बिजली की बढ़ती मांग की सबसे बड़ी वजह औद्योगिक और खेती की प्रगति है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों से 2,980 मेगावाट बिजली पैदा होती है। राज्य को जरूरत की शेष बिजली केंद्रीय कोटे से मिलती है। आवश्यकता पड़ने पर बिजली सेंट्रल पूल से ओवरड्राल भी की जाती है। कंपनी को बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा, नहीं तो अन्य राज्यों की बिजली पर निर्भरता बढ़ती जाएगी। राज्य सरकार ने पांच अलग- अलग जिलों में लगभग 7,700 मेगावाट पन बिजली बनाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर लिया है। इसके अलावा 1320 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट कोरबा पश्चिम में शिलान्यास भी किया जा चुका है।

जैन समाज ने नगर में निकाली कलश यात्रा

गौरेला/नवप्रदेश। नगर में गौरेला जैन समाज के सदस्यों ने जैन मंदिर में वेदियों का पुनर्निर्माण कर नया स्वरूप प्रदान किया। नए तीनों वेदियों का प्रतिष्ठा समारोह 2 से 5 दिसंबर तक श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित किया जाएगा। वेदी प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत मंगल कलश शोभायात्रा के साथ हुई। इसका नगरवासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। शोभायात्रा की शुरुआत में दमोह नगर के बाल ब्रह्मचारी मयंक ने कलश व सिर पर कलश धारण करने वाली महिलाओं का मंत्रोच्चार और पुष्प क्षेपण कर शुद्धिकरण किया। शोभायात्रा जैन मंदिर शुरू हुई और यहां अग्रसेन चौक, गांधी चौक, मंगली बाजार, रेस्टहाउस मार्ग, स्टेशन मार्ग से होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची। यहां यात्रा का समापन हुआ। आयोजन को सफल बनाने में उत्तम चंद, अमित जैन, सपनिल जैन, सुधीर जैन, गौरव जैन, वेदचन्द जैन, किशोर जैन, विमल जैन, अजीत जैन, सुमेर चंद जैन, अनिल जैन, संजय सिंघई, संदीप सिंघई, संजय जैन, सुकांत जैन, ललित जैन, सुबोध जैन, सचिन जैन, सोनल जैन, रमेश जैन, राजेश आदि ने सहयोग किया।

अक्षत कलश का श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

पेण्ड्रा/नवप्रदेश। विश्व हिंदू परिषदए बजरंग दलए गायत्री परिवार डिवाइन ग्रुप दिया व अमरपुर के ग्रामीण व विभिन्न धार्मिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने गायत्री महायज्ञ स्थल अमरपुर देवी चौरा में अयोध्या से आए अक्षत शक्ति कलश का स्वागत किया। बता दें कि 22 जनवरी राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान के तहत यह शक्ति कलश यात्रा का आगमन पेण्ड्रा नगर में हुआ।

यह शक्ति कलश 34 जिलों में भ्रमण कराया जा रहा हैए इसमें गांव.गांव तक राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा का संदेश शक्ति कलश के माध्यम से पहुंचाया जा सके। 22 जनवरी को सभी भक्त अपने घरों में दीपदान कर इस ऐतिहासिक कार्य में भागीदारी कर सकें। इसके लिए वृहद स्तर पर जिले में प्रचार.प्रसार भी किया जा रहा है। इसमें जीपीएम जिला विहिप अध्यक्ष हर्ष छाबरियाए बजरंग दल जिला संयोजक सागर पटेलए विहिप जिला उपाध्यक्षए मातृ शक्ति जिला संयोजिका प्रीति त्रिवेदीए मीनू पांडेय प्रांत विस्तारक दिया छत्तीसगढ़ ओमप्रकाश बलभद्र व पूरी टीम कार्य में लगी हुई है।

स्वामी कृष्ण प्रपन्नाचार्य कामता महाराज के द्वारा सभी को 22 जनवरी को दीपदान करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि राम के आदर्शों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। विश्व को राम मय करने का हम सभी संकल्प लें।

अमरपुर पेण्ड्रा में स्वागत के इस अवसर पर ढोलए बैंड बाजे के साथ शक्ति कलश का स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरिप्रसाद पटेलए मथुरा सोनीए रामजी श्रीवासए संतोषी साहूए कंचनए नवीन विश्वकर्माए पूजा पवारए आकांक्षा साहूए वैशाली पांडेयए प्रकाश साहूए विनय पांडेयए देवांश तिवारीए आशीष पांडेयए विमल मिश्राए रूपेश साहूए अंकित साहूए दक्ष यादव आदि मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिवपुरी में 1 इंच से ज्यादा

को तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को 29.8 डिग्री पर आ गया। यह सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। इंदौर में 3.9 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद पारा 28.2 डिग्री, ग्वालियर में 25.2 डिग्री, उज्जैन में 5.1 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद पारा 29.5 डिग्री और जबलपुर में 28.1 डिग्री दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में सीएम

16वीं विधानसभा के गठन की तैयारियां शुरू, आज बैठक

चुनाव परिणाम आने के एक दिन बाद प्रदेश में 16वीं विधानसभा के गठन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसे लेकर आज विधानसभा में बैठक है। विधानसभा सचिवालय अब रजिस्ट्रेशन के लिए भोपाल पहुंचने वाले विधायकों के स्वागत और अन्य व्यवस्थाओं में जुट गया है। विधानसभा सचिवालय में प्रमुख सचिव एपी सिंह द्वारा बैठक लेकर अधिकारियों की ड्यूटी लगाने का काम किया जा रहा है। नई विधानसभा के गठन के लिए विधायकों के रजिस्ट्रेशन और आवास की व्यवस्थाओं को लेकर भी इस बैठक में जिम्मेदारी तय की जा रही है। मध्यप्रदेश और दूसरे राज्यों के नतीजों पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सवाल किए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, %परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित और चिंतित होना स्वाभाविक है, क्योंकि चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है।

एमपी में भाजपा के 27

घेराबंदी में ऐसे उलझे कि बाहर ही नहीं निकल पाए। 2018 में 27 मंत्री चुनाव में उतरे थे, जिनमें से 13 हार गए थे। यानी 48त्न को लोगों ने पसंद नहीं किया था।

इस विधानसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट के 9 में से 8 मंत्री मैदान में थे। इनमें से 3 को हार का सामना करना पड़ा। बदनावर से राजवर्धन सिंह दत्तीगांव हार गए। गुना के बमौरी से मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया और शिवपुरी के पोहरी से सुरेश धाकड़ को भी हार का सामना करना पड़ा है। सिंधिया गुट के 19 लोगों को इस चुनाव में टिकट मिला था। इनमें से मुरैना से रघुराज कंसाना, अंबाह से कमलेश जाटव, डबरा से इमरती देवी, अशोक नगर से जजपाल सिंह जज्जी समेत 9 की हार हुई।

सबसे बड़ी जीतः एक लाख से ज्यादा वोटों से जीते शिवराज, मेंदोला

पहली बार एक लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से भाजपा के 3 कैंडिडेट जीते। रमेश मेंदोला, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कृष्णा गौर ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया।

नई विधानसभा में विधायकों की औसत उम्र 54.5 वर्ष है। इसमें भाजपा के विधायकों की औसत उम्र 57 और कांग्रेस के विधायकों की औसत उम्र 52 साल है।

महिलाएं रहीं किंगमेकर्स...

करने में सफल रही। बीजेपी ने महिलाओं को ध्यान में रखकर चुनाव से ठीक पहले कई योजनाओं की घोषणा कर दी। इसी साल मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने महिला वोटर्स पर फोकस किया था जिसका उसे सीधा लाभ मिला। इसके बाद तो महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता का वादा करने की चुनावी रणनीति जोर पकड़ने लगी। लगभग सभी कांग्रेस शासित राज्यों और मध्य प्रदेश जैसे राज्य में भी यह चलन देखा गया। इससे पहले 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे भी यही बताते हैं कि कैसे महिला मतदाताओं ने बड़ा उलटफेर किया। टीएमसी चीफ व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी महिला मतदाताओं को 500 रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जिसे लक्ष्मी भंडार नाम दिया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता का ऐलान किया और इस योजना को गृह लक्ष्मी बताया। चुनाव के नतीजे जब आए तो साफ हो गया कि महिला केंद्रित इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

मिजोरम के मुख्यमंत्री ...

पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा ने कहा- मैं पार्टी की जीत से खुश हूं। मुझे इसी तरह के नतीजों की उम्मीद थी। अगले दो दिनों के अंदर मैं राज्यपाल से मिलूंगा। शपथ ग्रहण इसी महीने होगा। लालदुहोमा इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज और कांग्रेस के सांसद रह चुके हैं। जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी शुरुआत में छह क्षेत्रीय दलों का गठबंधन था। जिसमें मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेस, जोरम नेशनलिस्ट पार्टी, जोरम एक्सोडस मूवमेंट, जोरम डिसेंट्रलाइजेशन फ्रंट, जोरम रिफॉर्मेशन फ्रंट और मिजोरम पीपुल्स पार्टी शामिल थीं। 2018 में जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने इसी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा था और आठ सीटें जीतीं। इसके बाद चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर जुलाई 2019 में पार्टी को रजिस्टर्ड किया। सबसे बड़ी संस्थापक पार्टी मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, 2019 में गठबंधन से बाहर हो गई थी और बाकी बची पांच पार्टियां एक में शामिल हो गई, जिसे जोरम पीपुल्स मूवमेंट नाम दिया

भाजपा को मिला सबसे बड़ा जनादेश, पहली बार 50 का आंकड़ा पार

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबको चौंका दिया है. छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य था, जहां कांग्रेस की जीत पक्की मानी जा रही थी. लेकिन, बीजेपी ने जोरदार वापसी करते हुए 54 सीटों पर कब्जा कर लिया है. भ्रष्टाचार, हिंदुत्व, लोकलुभावन वादों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत छवि जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ना बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हुआ. इसके साथ ही पार्टी ने यहां 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल कर पांच साल बाद जोरदार वापसी की है. 2018 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में बीजेपी को कांग्रेस के हाथों बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था. इस बार के चुनाव में कांग्रेस 35 सीटें जीतने में सफल रही, जो 2018 में मिली जीत से 33 कम है. जबकि एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली है.

कांग्रेस के 9 मंत्रियों को मिली हार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में 13 मंत्री थे, जिनमें से 9 मंत्रियों को हार मिली है. जबकि बघेल (पाटन) और उनके तीन मंत्री कवासी लखमा (कोंटा), उमेश पटेल (खरसिया) और अनिला भेंडिया (डोंडी लोहारा) चुनाव जीतने में कामयाब रहे. विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत ने अपनी सक्ती सीट जीत ली है. वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को चित्रकोट सीट पर हार का सामना करना पड़ा.

बीजेपी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह (राजनांदगांव), प्रदेश बीजेपी प्रमुख और पार्टी सांसद अरुण साव (लोरमी), केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत), पार्टी सांसद गोमती साय (पत्थलगांव), पूर्व

केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय (कुनकुरी) और पूर्व मंत्री जिनमें बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर शहर दक्षिण), अजय चंद्राकर (कुरूद), पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली), अमर अग्रवाल (बिलासपुर), दयालदास बघेल (नवागढ़) और राजेश मूणत (रायपुर शहर पश्चिम) तथा पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम चुनाव जीत गए हैं।

बीजेपी की रणनीति कांग्रेस पर भारी

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर थी, जिसमें कहा जाता है कि उसने लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे. वहीं पार्टी ने छत्तीसगढ़ियावाद और माटी पुत्र के रूप में बघेल की लोकप्रियता को भी भुनाने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रही. इधर, बीजेपी का प्रचार अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर बहुत अधिक निर्भर था. प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में जुलाई से चुनाव प्रचार के आखिर तक नौ सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया. पार्टी ने मतदाताओं से कई वादे भी किए.

सांप्रदायिक हिंसा और धर्मांतरण का मुद्दा पड़ा भारी

बीजेपी ने राज्य में पिछले दिनों बेमेतरा और कवर्धा जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा और राज्य में धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा. इसके साथ ही बीजेपी ने बघेल सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप भी लगाया. बता दें कि इस साल अप्रैल में बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा की घटना को बीजेपी ने लोगों के सामने रखा और साजा सीट से ईश्वर साहू को भी मैदान में उतारा. ईश्वर साहू के पुत्र की बिरनपुर सांप्रदायिक हिंसा में मौत हुई थी. ईश्वर साहू ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और मंत्री रविंद्र चौबे को 5,196 मतों से हराया है.

बड़े अंतर से जीतने वाले अकबर को मिली करारी हार

कवर्धा सीट पर बीजेपी के विजय शर्मा ने कांग्रेस के एक और कद्दावर नेता मंत्री मोहम्मद अकबर को 39,592 मतों से हराया. अकबर ने 2018 के विधानसभा चुनाव में कवर्धा सीट पर 59,284 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी. साजा में प्रचार के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि ईश्वर साहू सिर्फ उम्मीदवार नहीं बल्कि न्याय की लड़ाई के प्रतीक हैं और अगर बीजेपी सत्ता में वापस आई तो उनके बेटे भुनेश्वर साहू के हत्यारे को जेल भेजा जाएगा.

बीजेपी का वोट शेयर बढ़ा

भ्रष्टाचार के अलावा, बीजेपी ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू न करने, शराबबंदी और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित कांग्रेस के 2018 के वादों को पूरा करने में विफलता को लेकर भी बघेल सरकार पर निशाना साधा. इस चुनाव में भाजपा ने 2018 चुनाव के 10.1 फीसदी वोटों के अंतर को भी पाटा और उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव में मिले 32.97 फीसदी से बढ़कर इस बार 46.27 फीसदी हो गया. कांग्रेस 43.04 से नीचे 42.23 फीसदी पर आ गई है.

राजनीतिक विशेषज्ञों की राय है कि बीजेपी के पारंपरिक वोट जो 2018 में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस के पास चले गए थे, उन्हें इस चुनाव में भगवा पार्टी ने बरकरार रखा. आदिवासी बहुल सरगुजा क्षेत्र में मतदान के परिपाटी ने भी कांग्रेस को परेशान किया है. इस क्षेत्र में कांग्रेस 2018 में जीती गई सभी 14 सीटें हार गई, जिनमें अंबिकापुर भी शामिल है, जहां उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को हार का सामना करना पड़ा है.

47 नए चेहरों में 29 को मिली कामयाबी

बीजेपी ने इस चुनाव में करीब 47 नए चेहरों को मैदान में उतारा था, जिनमें से 29 को जीत मिली है. इस विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (क्ष्स्क्क) ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (त्तक्क) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था. बसपा ने 2018 में दो सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, जबकि जीजीपी राज्य के गठन के बाद पहली बार एक सीट, पाली-तानाखार जीतने में कामयाब रही. पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने 2018 में पांच सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार अपना खाता खोलने में असफल रही.

वहीं अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (क्क) जिसने इस बार छत्तीसगढ़ में दूसरी बार अपनी किस्मत आजमाई थी और 53 सीटों पर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस बार 18 महिला विधायक संभालेंगी मोर्चा

भाजपा से 8, कांग्रेस से 10 महिलाओं को मिली जीत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 18 महिलाओं ने जीता है। इनमें भाजपा से 8 और कांग्रेस से 10 महिला विधायक चुनी गई हैं। 90 सीटों में से भाजपा ने 15, तो वहीं कांग्रेस ने 18 महिला कैंडिडेट को उतारा था। इस बार छत्तीसगढ़ विधानसभा में 18 महिला विधायक मोर्चा संभालेंगी। कांग्रेस से सबसे ज्यादा महिलाओं ने चुनाव में जीत दर्ज की है। छठी विधानसभा में 20 प्रतिशत महिला विधायक होंगी। भाजपा से ये महिला प्रत्याशी जीतीं-भरतपुर-सोनहत-रेणुका सिंह, सामरी उद्धेश्वरी पैकरा, जशपुर- रायमुनि भगत, पत्थलगांव- गोमती साय, कोंडागांव- लता उसेंडी, भटगांव- लक्ष्मी राजवाड़े, प्रतापपुर-शकुंतला सिंह पोर्ते, पंडरिया - भावना बोहरा को मिली जीत। कांग्रेस से जीती ये महिला विधायक- सिहावा-अंबिका मरकाम, सारंगढ़-उत्तरी गणपत जांगड़े, सरायपाली-चातुरी नंद, बिलाईगढ़-कविता प्राण लहरे, लैलूंगा-विद्यावती सिदार, बालोद-संगीता सिन्हा, डौंडीलोहारा-अनिला भेड़िया, भानुप्रतापपुर-सावित्री मांडवी, खैरागढ़-यशोदा वर्मा और डोंगरगढ़-हर्षिता स्वामी बघेल ने चुनाव जीता।

बीजेपी को 46, कांग्रेस 42 फीसदी वोट मिले जोगी कांग्रेस से ज्यादा बसपा को

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद प्रदेश में सियासी दलों के मिले कुल मतों का प्रतिशत सामने आ गया है। आंकड़ों के मुताबिक 54 सीटों के साथ BJP को सबसे ज्यादा कुल 46.27% वोट मिले हैं। वहीं 35 सीटों के साथ कांग्रेस पार्टी को मिले कुल 42.23त्न वोट। तीसरे नंबर रही BSP को मिले 2.05% वोट। हालांकि बीएसपी एक भी सीट जीत नहीं पाई। वहीं प्रदेश की तीसरी ताकत माने जाने वाली जोगी कांग्रेस इस बार चौथे नंबर पर खिसक गई और उसे महज 1.23% वोट मिले। हालांकि जोगी कांग्रेस भी विधानसभा में अपना खाता तक नहीं खोल नहीं पाई। वहीं दो-दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में झोंकने वाली आम आदमी पार्टी यानी क्क को कुल 0.93% वोट ही मिल पाए। उसका भी खाता नहीं खुला।

बस्तर, सरगुजा व रायपुर बना टर्निंग प्वाइंट

शुरुआती रुझानों में जीत रही कांग्रेस कैसे अचानक हार गई?

रायपुर/नवप्रदेश। उम्मीदों के मुताबिक शुरुआती रुझान में कांग्रेस आगे चल रही थी, लेकिन बस्तर, सरगुजा और रायपुर ने इस चुनाव का पासा ही पलट दिया. कांग्रेस की इस हार में सबसे बड़ी भूमिका जशपुर, बस्तर और रायपुर की रही. 2018 के चुनाव में बस्तर और सरगुजा ने कांग्रेस का जबरदस्त साथ दिया था. इसी दम पर पार्टी 90 में से 68 सीटें जीतकर सत्ता पर काबिज हुई थी. तब बस्तर की 12 में से 11 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. वहीं, सरगुजा की 14 में 14 सीटें कांग्रेस जीतने में कामयाब रही थी. इसके उलट इस बार इन दोनों ही संभागों के चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए हैं. बस्तर की 12 में 8 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है. वहीं, सरगुजा की सभी 14 सीटें इस बार भाजपा ने अपनी झोली में डाल ली है. वहीं, रायपुर की 7 में से सभी 7 सीटें भाजपा ने जीत ली है.

सत्ता वापसी के लिहाज से सबसे सेफ राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने जा रही है. भाजपा ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए 54 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है. वहीं, कांग्रेस ने अपने 71 विधायकों के आंकड़े की आधी सीट भी नहीं

जीत पाई. कांग्रेस इस बार यहां मात्र 35 सीटों पर सिमट कर रह गई है. इसके अलावा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को यहां एक सीट पर जीत मिली है. कांग्रेस की हार के साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्यपालल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है.

कांग्रेस की जीत के रुझान इस तरह बदल गए हार में

रविवार की सुबह जैसे ही मतगणना शुरू हुई, तो पोस्टल बैलट की गिनती के रुझान में कांग्रेस को बढ़त मिलनी शुरू हो गई. लोगों को लगा कि एग्जिट पोल के रुझान के जैसे ही परिणाम आएंगे. लेकिन, मतगणना के दो घंटे बाद खबर आई कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन से पीछे चल रहे हैं. इसके बाद कोंटा से आबकारी मंत्री कवासी लखमा और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के पिछड़ने की खबर आई. इसके बाद कांग्रेस की संख्या लगातार गिरने लगी और दोपहर होते-होते भाजपा के पक्ष में माहौल बदल गया. हालांकि, भूपेश बघेल और कवासी लखमा तो जीत गए, लेकिन उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव 94 मतों से हार गए.

बस्तर और सरगुजा ने उम्मीदों पर फेरा पानी

2018 के चुनाव में बस्तर और सरगुजा ने कांग्रेस का जबर्दस्त साथ दिया था. बस्तर की 12 में से 11 सीटें कांग्रेस ने जीती थी. वहीं, सरगुजा की 14 में से 14 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. इससे उलट इस चुनाव में इन दोनों ही संभागों से भाजपा के पक्ष में नतीजे आए हैं. बस्तर की 12 में 8 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है और सरगुजा की सभी 14 सीटें भाजपा ने जीत ली है.

रायपुर जिले ने भाजपा की जीत को बनाया शानदार

बस्तर और सरगुजा में मिली जीत को रायपुर ने और बड़ी कर दी. दरअसल, राजधानी रायपुर की 7 विधानसभा सीटों में से सभी पर भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है, जबकि 2018 के परिणाम में 7 में 6 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. 2018 में रायपुर की एक मात्र सीट रायपुर दक्षिण से भाजपा के कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल ही जीत पाए थे।

विष्णुदेव साय का कद बढ़ा प्रबल दावेदार बनकर उभरे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा है कि, राज्य की जनता ने मोदीजी की गारंटी पर भरोसा किया है। जनता ने कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी को नकार दिया है। उल्लेखनीय है कि, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और प्रदेश भाजपाध्यक्ष रह चुके विष्णुदेव साय का कद इस बार एकाएक बएने लगा है। वे सीएम पद के प्रबल दावेदार माने जाने लगे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक पार्टी यदि डा. रमन सिंह का नाम फिर से सीएम पद के लिए आगे नहीं बढ़ाता है तो श्री साय का नाम डा. रमन खेमे से बतौर मुख्यमंत्री आगे बढ़ाया जा सकता है। चर्चा में मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर कहा कि, BJP का मुझ पर बड़ा एहसान है। एक गांव के कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी तक पार्टी ने सौंपा है। श्री साय ने कहा कि, BJP का राष्ट्रीय नेतृत्व मुझे जो जिम्मेदारी देगा मैं निभाऊंगा। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में मोदीजी की गारंटी को लागू करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। अपने-अपने क्षेत्र में बड़ी जीत से उत्साहित बीजेपी के विधायक राजधानी रायपुर पहुंचने लगे हें। वे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाउ ठाकरे परिसर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने के लिए पहुंच रहे हैं।

भूपेश बघेल का ट्वीट, लिखा-जनता की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बड़ी हैं

चुनाव परिणाम के बाद छ्रूभूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा है कि, जनता का जनादेश हमेशा सिर आंखों पर रहा है। आज भी परिणाम को सिर झुकाकर स्वीकार करता हूं। इस बात का संतोष है कि 5 साल में आपसे किए हर वादे को पूरा किया। वादे से ज्यादा देने का प्रयास किया और छत्तीसगढ़ महतारी की भरसक सेवा की। जनता की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बड़ी हैं। जनता के विवेक का सम्मान करता हूं।

लोकलुभावन वादों से मिली जीत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने किसानों, महिलाओं और गरीबों से कई बड़े वादे किए थे. राज्य में भाजपा एक बार फिर सरकार बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में उसके सामने इन वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती रहेगी. छत्तीसगढ़ में चुनाव से लगभग छह महीने पहले ही दोनों दलों ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी थी. राज्य में सत्ताधारी दल कांग्रेस को उम्मीद थी कि किसान, गरीब और आदिवासियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के कारण उनकी सत्ता बरकरार रहेगी. वहीं 2003 से 2018 तक लगातार 15 वर्ष तक सत्ता में रही भाजपा इस बार जीत के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाह रही थी. राज्य में जीत के लिए दोनों दलों ने जनता से जमकर लोकलुभावन वादे किए, जिनमें कुछ मुफ्त वाली योजनाएं भी शामिल हैं. छत्तीसगढ़ में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कांग्रेस ने घोषणा-पत्र जारी करने से पहले ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की रैलियों में बड़ी घोषणाएं करनी शुरू कर दी थी.

कांग्रेस ने जनता से क्या वादे किए?

कांग्रेस ने राज्य में किसानों का कर्ज माफ, किसानों से 20 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 32 सौ रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, महिलाओं को सालाना 15 हजार रुपए देने, सभी सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों में केजी से स्नातकोत्तर तक मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर पर पांच सौ रुपए सब्सिडी, छह हजार रुपए प्रति बोरा तेंदूपत्ता खरीदी और चार हजार रुपए सालाना बोनस, भूमिहीनों को 10 हजार रुपए प्रतिमाह, गरीब वर्ग को 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, दुर्घटनाओं में इलाज मुफ्त, स्वसहायता समूहों का कर्ज माफ, जाति जनगणना कराने, शहरी निकायों में सरकार की ओर से अंत्येष्टि की लकड़ी देने समेत कई वादे किए थे.

जनता से बीजेपी के वादे

भाजपा के घोषणा-पत्र में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को 10 हजार रुपए सालाना देने और 10 लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा का भी वादा किया गया है. भाजपा के घोषणा-पत्र में यूपीएससी की तर्ज पर सीजीपीएससी की परीक्षा लेने, युवाओं को 50 फीसदी सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त ऋण देने, गरीब घर में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख 50 हजार रुपए का आश्वासन प्रमाण-पत्र देने, गरीब परिवारों की महिलाओं को पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर, कॉलेज जाने के लिए छात्रों को मासिक यात्रा भत्ता देने और प्रदेशवासियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन की व्यवस्था करने सहित कई अन्य लोकलुभावन वादे शामिल किए गए हैं।

बीजेपी ने घोषणापत्र को कहा मोदी की गारंटी

वर्ष 2018 में भाजपा की करारी हार का एक कारण उसका कमजोर घोषणा-पत्र भी था. इस बार के चुनाव में पार्टी ने इसे ध्यान में रखा और जनता से खूब वादे किए. पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र को छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी नाम दिया. पार्टी ने जनता से वादा किया है कि सरकार बनने पर किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी जाएगी और किसानों को एक क्विंटल धान के लिए 31 सौ रुपए दिए जाएंगे, महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को 12 हजार रुपए वार्षिक वित्तीय सहायता दी जाएगी. एक लाख शासकीय पदों पर भर्ती की जाएगी. भाजपा ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने, प्रति बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण पर 5500 रुपए और अतिरिक्त संग्रहण पर 4500 रुपए तक बोनस दिए जाने का वादा किया है।

सबसे कम और सबसे ज्यादा मतों से जीतने वाले उम्मीदवार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बड़ा उलटफेर करते हुए भाजपा ने एक बार फिर से सत्ता में वापसी कर ली है. इस चुनाव में भाजपा ने दो दिग्गजों ने सबसे ज्यादा अंतर से दर्ज की जीत है. वहीं, दो ऐसे भी नेता है, जो मामूली 16 और 94 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है. छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सबसे ज्यादा 67,719 मतों से मात दी है. इस जीत के साथ अग्रवाल लगातार आठवीं बार विधायक बन गए हैं.

अग्रवाल को मिले 1,09,263 मत

इस विधानसभा चुनाव में अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर 1,09,263 मत हासिल किए और कांग्रेस के महंत रामसुंदर दास को 67,919 मतों के अंतर से हराया. महंत को 41,544 मत मिले. माना जा रहा है कि राजधानी रायपुर में कांग्रेस के पास अग्रवाल के कद का कोई नेता नहीं है. बृजमोहन अग्रवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं.

ओपी को मिले बंपर वोट

वहीं, रायगढ़ सीट से ओपी चौधरी ने 64,443 मतों से जीत हासिल की है. चौधरी 90 सदस्यीय विधानसभा में दूसरे नेता हैं, जिन्होंने 50 हजार से अधिक

वोटों के अंतर से जीत हासिल की है. राज्य में इस चुनाव में अन्य उम्मीदवारों की तुलना में भाजपा के विजय शर्मा को सबसे अधिक 1,44,257 वोट मिले हैं. शर्मा ने कवर्धा सीट पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मंत्री मोहम्मद अकबर को 39,592 वोटों के अंतर से हराया है.

महज 16 वोटों से जीते शंकर धुर्वा

कांकेर सीट पर भाजपा के आसाराम नेताम ने कांग्रेस उम्मीदवार शंकर धुर्वा के खिलाफ सबसे कम 16 वोटों के अंतर से चुनाव जीता है.

पहली बार विधायक चुने गए नेताम को कुल 67,980 वोट मिले, जबकि धुर्वा को 67,964 वोट मिले।

सिंहदेव 94 वोटों से हारे

इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उपमुख्यमंत्री सिंह देव भी अंबिकापुर सीट पर भारतीय जनता पार्टी के राजेश अग्रवाल से मात्र 94 वोटों के मामूली अंतर से हार गए. सिंहदेव को 90,686 वोट मिले, जबकि अग्रवाल को 90,780 वोट मिले.

रायपुर संभाग में कांग्रेस को पड़ा उल्टा दांव 20 में से पहले 12 जीते थे, इस बार 12 हारे

भाजपा ने पिछली सीटें छीनी, 8 सीटों में 6 पर कांग्रेस कब्जा बनाए रखा

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा चुनाव में रायपुर जिले की सात सीटों पर भाजपा (क्ष्छ्क्क) ने क्लीन स्वीप किया। कांग्रेस रायपुर जिले की सभी सीटें हार गई। वहीं रायपुर संभाग में कांग्रेस का हर दांव उल्टा ही पड़ा। बीते चुनाव में रायपुर संभाग की 20 सीटों में से 12 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को 8 सीटें हासिल हुई थीं। इस बार आंकड़ा पलट गया। भाजपा ने 12 सीट पर जीत हासिल की, वहीं कांग्रेस ने 8 सीटों पर जीत दर्ज किया। कांग्रेस पिछले चुनाव का प्रदर्शन इस बार नहीं दोहरा पाई। पिछली बार जीती हुई 6 सीटों पर अपना कब्जा बरकरार रखा वहीं धमतरी और भाटापारा सीट भाजपा से जीत ली। पिछली बार जीती हुई 6 सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। धमतरी जिले में सिहावा और धमतरी में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। वहीं कुरूद सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर ने जीत दर्ज की है। प्रत्याशी बदलने का फायदा कांग्रेस को मिला धमतरी विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पिछले कई चुनाव के बाद प्रत्याशी बदला है। कांग्रेस ने यहां से ओंकरा साहू को टिकट दिया था। यहां पर भाजपा ने विधायक रंजना साहू को फिर मैदान में उतारा था। रंजना अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा पाई और चुनाव हार गई। कसडोल विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने फिर अपना कब्जा बरकरार रखा।

आरंग के मतदाताओं ने बदला विधायक

आरंग विधानसभा सीट में कांग्रेस ने इस बार मंत्री डॉ. शिव डहरिया को सतनामी समाज के गुरु खुशवंत साहेब से हार का सामना करना पड़ा। एससी वर्ग के लिए आरक्षित सीट कांग्रेस की गढ़ के रूप में जानी जाती है। यहां पर राज्य बनने के बाद कोई भी विधायक रिपीट नहीं हुआ है, इस बार भी आरंग के मतदाताओं ने विधायक बदल दिया।

रायपुर में कांग्रेस साफ

रायपुर जिले में सात विधानसभा सीट हैं इनमें रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर ग्रामीण, धरसींवा, आरंग और अभनपुर में भाजपा ने एक तरफा जीत दर्ज की है। महासमुंद जिले की चार विधानसभा सीट में बसना और महासमुंद भाजपा के खाते में गई हैं। सरायपाली और खल्लारी में कांग्रेस अपना वर्चस्व बनाए रखा है। बलौदाबाजार जिले में 4 विधानसभा सीट हैं, पिछले चुनाव में दो सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इनमें बिलाईगढ़, कसडोल शामिल था, इस चुनाव में भी उन पर प्रत्याशी बदलने के बाद भी कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है। भाजपा से भाटापारा सीट छीनी है। वहीं भाजपा ने यहां से बलौदाबाजार सीट पर कब्जा जमाया है।

पंकज नहीं बचा पाए पिता की सीट

रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से दो बार कांग्रेस के विधायक रहे सत्यनारायण शर्मा ने अपने पुत्र पंकज शर्मा को इस सीट पर उतारा था। यहां पर जातिगत समीकरण के कारण भाजपा के मोती लाल साहू ने 35 हजार 750 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। पंकज यह सीट बचाने में असफल रहे।

मूणत ने लिया पिछली हार का बदला

रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट पर दो परंपरागत प्रतिद्वंदी विकास उपाध्याय और राजेश मूणत के बीच कड़े मुकाबले में श्री मूणत ने अपनी पिछली हार का बदला लिया है। यहां पर मूणत ने उन्हें 36 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। मूणत ने इस बार चुनाव जीतने के लिए काफी मेहनत की।

रिकार्ड मतों से जीते बृजमोहन

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है। यहां से बृजमोहन ने आठवां चुनाव जीता है। यहां पर हर बार उनके खिलाफ कांग्रेस नया प्रत्याशी उतारती है। दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास को इस बार 67851 हजार मतों से हराया, जो अब तक की रिकार्ड मतों से जीत है।

बागी ने बिगाड़ा कांग्रेस का गणित

रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप जुनेजा और भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा के बीच मुकाबला था। 30 हजार 962 वोट कुलदीप को मिले, अजीत कुकरेजा को 22 हजार 898 वोट मिले दोनों को मिलाया जाए तो 53860 होते हैं। पुरंदर को 53953 मिले। माना जा रहा है कि बागी ने कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप जुनेजा का गणित बिगाड़ दिया। श्री मिश्रा को 23064 मतों से जीत मिली।

धरसींवा में फिर भाजपा का कब्जा

धरसीवा विधानसभा में कांग्रेस ने अपनी महिला विधायक अनिता शर्मा का टिकट काटकर यहां से राज्यसभा की पूर्व सांसद छाया वर्मा को प्रत्याशी बनाया था। वहीं भाजपा ने छत्तीसगढ़ी फिल्म के एक्टर अनुज शर्मा को उतारा था। उन्होंने यहां पर 35 हजार मतों के अंतर से चुनाव जीता।

भाटापारा से हारे शिव

भाजपा के संगठन में काम करने वाले शिवरतन शर्मा को भाटापारा से तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने पिछले तीन चुनावों में यहां से जीत दर्ज किया पर इस बार इंद्र साव ने उन्हें चुनाव हराया।

राजिम से अमितेष फिर हारे

राजिम विधानसभा में जब-जब साहू प्रत्याशी को भाजपा टिकट देती है वहां का नतीजा उनके पक्ष में जाता है।

निगम मंडलों में इस्तीफों का दौर शुरु

नतीजों के बाद मूल विभाग में लौटाए जाने लगे कर्मचारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए हैं। अब तक छ्रूकी निजी स्थापना में लगे रहे अधिकारी और कर्मचारी मूल विभाग में लौटाए जाने लगे हैं। मुख्यमंत्री के OSD रहे सूरज कश्यप, उमेश पटेल, चिन्मय वर्मा, देवेंद्र प्रधान, सुनील चतुर्वेदी और कैलाश ठाकुर मूल विभागों में लौटा दिए गए हैं। इस बाबत सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी की करारी हार और भाजपा की बड़ी जीत के बाद निगम मंडलों में नियुक्त नेताओं ने इस्तीफे देना शुरू कर दिया है। RDA के डायरेक्टर बनाए गए राजेंद्र पप्पू बंजारे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्री बंजारे RDA में दो साल पहले डायरेक्टर बनाए गए थे। बताया जा रहा है कि और भी कई निगम मंडलों के पदाधिकारी इस्तीफा पत्र तैयार कराने में लगे हुए हैं।

भारत ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

बेंगलुरू। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक 5वें टी-20 मुकाबले में 6 रन से हरा दिया। बेंगलुरु में टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने आखिरी 6 गेंदों पर 10 रन डिफेंड किए। उन्होंने शुरुआती 3 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया और कप्तान मैथ्यू वेड का विकेट भी लिया। कंगारू टीम 3 रन ही बना सकी और मुकाबला गंवा दिया। 5वें टी-20 में जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज 4-1 के अंतर से अपने नाम कर ली। चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट पर 154 रन ही बना सका। बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी-20 मुकाबला हारा, यहां टीम ने 3 टी-20 जीते हैं।लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने पांचवें टी-20 में 29 रन देकर 2 विकेट झटके। उन्होंने सीरीज के हर मैच में टीम को सफलता दिलाई। 5 मैचों में 9 विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। हाई स्कोरिंग सीरीज में उन्होंने महज 8.20 की इकोनॉमी से रन खर्चे और टीम इंडिया के नए रिस्ट स्पिनर बनकर उभरे। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए। जबकि अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। 4 ओवर में महज 14 रन देकर एक विकेट लेने वाले अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अक्षर ने 31 रन भी बनाए। उनके अलावा श्रेयस अय्यर ने 53 रन की पारी खेली। वहीं जितेश शर्मा ने 24 और यशस्वी जायसवाल ने 21 रनों का योगदान दिया।

सोच रहा था कि मैंने बहुत ज्यादा रन दे दिए: अर्शदीप सिंह

बेंगलुरु। भारत द्वारा ऑस्ट्रेलिया पर पांचवां टी-20 मैच छह रन से जीतने के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्होंने बहुत ज्यादा रन दिए हैं। खेल के अंतिम ओवर में केवल तीन रन देने से पहले उनके दिमाग में यह बात आई। रविवार रात एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिच स्ट्रोक-प्ले के लिए आसान नहीं थी। भारत ने 160/8 का स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार शुरुआत की, लेकिन 18 ओवर में 144/7 पर ही सिमट गई।12 गेंदों में 17 रनों की जरूरत थी। मुकेश कुमार ने 19वें ओवर में केवल नौ रन दिए। इससे पहले अर्शदीप ने अपने पहले तीन ओवरों में 37 रन दिए थे। लेकिन फिर उन्होंने मैथ्यू वेड को आउट कर खेल को भारत की झोली में डाल दिया। अर्शदीप ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि खेल के बड़े हिस्से में, लगभग पहले 19 ओवरों के लिए, मैं सोच रहा था कि मैंने बहुत अधिक रन दिए और मैं खेल का दोषी होऊंगा। लेकिन भगवान ने मुझे एक और मौका दिया और मुझे खुद पर विश्वास था। धन्यवाद भगवान का शुक्र है कि मैंने इसका बचाव किया और टीम को भी धन्यवाद जिसने मुझ पर विश्वास किया। ईमानदारी से कहूं तो, मेरे दिमाग में कुछ भी नहीं चल रहा था। सूर्या (सूर्यकुमार यादव) भाई ने मुझसे कहा कि जो होता है।

ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पाकिस्तान नहीं जीत सका है अब तक टेस्ट सीरीज

नईदिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 14 दिसंबर से हो जाएगी। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ स्टेडियम पर खेला जाएगा।पाकिस्तान ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं और कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम नया इतिहास लिखने की कोशिश करेगी।आइए पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ उनके घर पर टेस्ट में किए प्रदर्शन के बारे में जानते हैं।टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीमें 69 बार आपस में भिड़ी हैं, जिसमें कंगारू टीम ने 34 मैच जीतकर अपना दबदबा बनाया है।दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 15 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है और 20 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली 2 टेस्ट सीरीज जीती हैं।पाकिस्तान ने आखिरी बार 2018 में संयुक्त अरब अमीरात में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती थी। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीतने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।पाकिस्तान

को ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पिछली 5 टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेलना पड़ा है। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया में 37 टेस्ट खेले हैं, जिनमें से 26 हारे हैं और सिर्फ 4 टेस्ट जीते हैं। इस बीच 7 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपने पिछले 14 टेस्ट में हार झेली है और टीम इस शर्मनाक रिकॉर्ड को बदलना चाहेगी। आखिरी बार पाकिस्तान ने 2019 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था और 2 मैचों की सीरीज में उन्हें क्लीन स्वीप झेलना पड़ा था। उस सीरीज में पाकिस्तान की कमान अजहर अली ने संभाली थी।ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान ने पहली बार 1977 में जीत दर्ज की थी। सिडनी में खेले गए उस टेस्ट में पाकिस्तान ने 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया था।1979 में मेलबर्न में पाकिस्तान ने 71 रनों से जीत हासिल करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने 1981 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 82 रन से हराया था।इसके बाद दिसंबर 1995 में सिडनी में 74 रनों से जीत हासिल की थी।ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन जहीर अब्बास ने बनाए हैं। इस पूर्व बल्लेबाज ने 40.62 की औसत के साथ 1,097 रन बनाए थे, जिसमें 1 शतक भी शामिल था।जावेद मियांदाद 16 टेस्ट में 1,028 रनों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

शेफलर वर्ल्ड चैलेंज में शीर्ष पर बरकरार

नसाउ। दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफलर ने शनिवार को यहां तीसरे दौर में सात अंडर 65 के हफ्ते के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में बढ़त बरकरार रखी।यहां पिछले दो टूर्नामेंट के उप विजेता अमेरिका के शेफलर ने पहले दो दौर में 69 और 66 का स्कोर बनाया था। तीन दौर के बाद शेफलर का कुल स्कोर 16 अंडर है।तीसरे दौर में सात अंडर 65 का स्कोर बनाने वाले इंग्लैंड के मैट फिट्जपैट्रिक तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह शेफलर से तीन शॉट पीछे हैं।

अमेरिका के ही जस्टिन

थॉमस फिट्जपैट्रिक से दो शॉट पीछे तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने तीसरे दौर में चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। टूर्नामेंट के मेजबान और 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स तीसरे दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से गत चैंपियन विक्टर होवलैंड के साथ 20 खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर हैं।

सिद्धार्थ कौल ने लगातार दूसरे मैच में लिए 5 विकेट

नई दिल्ली। इस समय खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने अपनी घातक गेंदबाजी का कहर जारी रखा है। उन्होंने नागालैंड के खिलाफ मैच में 5 विकेट लिए और यह उनका लगातार दूसरे मैच में 5 विकेट हॉल है।कौल की बेहतरीन गेंदबाजी के चलते नागालैंड की टीम 20.1 ओवर में महज 75 रन पर ही ढेर हो गई।आइए कौल के प्रदर्शन और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

दाएं हाथ के अनुभवी गेंदबाज कौल ने अपने दूसरे ओवर में ही सेडेझली (1) और सुमित कुमार (0) के विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़े झटके दिए।इसके बाद उन्होंने झिमोमी (1), इमलीवती (6) और ख्रीवित्सो (14) के विकेट लेकर नागालैंड को सस्ते में समेट दिया।कौल ने अपने 9 ओवर में 4.22 की इकॉनमी रेट से 38 रन देते हुए 5 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने 2 ओवर मेडन भी किए।अपने पिछले मैच में कौल ने तमिलनाडु के खिलाफ भी 5 विकेट चटकाए थे और जीत में अहम भूमिमा निभाई थी।इस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ 4 विकेट (4/41) भी झटके थे। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने मौजूदा सीजन में अब तक 5 मैचों में 12.44 की औसत और 5.62 की इकॉनमी रेट से कुल 18 विकेट ले लिए हैं।वह फिलहाल सबसे ज्यादा

विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। कौल ने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में अब तक 110 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 24 की औसत से कुल 198 विकेट लिए हैं।इस बीच उन्होंने 6/39 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 8 फाइव विकेट हॉल लिए हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में 3 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें वह कोई विकेट नहीं ले सके थे।उन्होंने 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8.68 की इकॉनमी रेट से कुल 4 विकेट लिए हैं।कौल लिस्ट-ए करियर में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। उनके बाद इस सूची में अमित मिश्रा है, जिन्होंने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। रवि शास्त्री, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद शमी 5-5 बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं।पंजाब क्रिकेट टीम ने 76 रन के छोटे से लक्ष्य को महज 4.1 ओवर में ही 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह भारत के लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम गेंदों में हासिल किया गया लक्ष्य है।पंजाब से विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 14 गेंदों में नाबाद 44 रन बना डाले। इस सलामी ने अपनी ताबड़तोड़ पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए।उनके अलावा रमनदीप सिंह ने 7 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए।

बिजनेस

अगले हफ्ते आर्थिक विकास दर के नए लक्ष्य तय करेगा आरबीआई

तीसरी तिमाही में भी अर्थव्यवस्था बेहतर रहने के आसार

नई दिल्ली। दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर, 2023) के लिए आर्थिक विकास के जो आंकड़े आए हैं, उसने घरेलू व वैश्विक आर्थिक शोध एजेंसियों के अनुमानों को धवस्त कर दिया है।

आरबीआई के गवर्नर ने कुछ दिन पहले दूसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन की बात कही थी, लेकिन शायद उनको भी इस बात की उम्मीद ना हो कि केंद्रीय बैंक के अनुमान 6.5 फीसद से 1.2 फीसद ज्यादा (7.7 फीसद) की विकास दर भारतीय इकोनॉमी लगाने वाली है। ऐसे में अब

आरबीआई चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की विकास को लेकर क्या अनुमान लगाता है, इस पर सभी की नजर रहेगी। अगले हफ्ते यानी 08 दिसंबर, 2023 को मौद्रिक नीति की समीक्षा करते हुए आरबीआई गवर्नर की तरफ से अर्थव्यवस्ता की दशा को लेकर नए अनुमान लगाए जाने की संभावना है। अक्टूबर, 2023 में पिछली समीक्षा में आरबीआई ने 6.5 फीसद विकास दर रहने की बात कही थी।उधर, दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर में अपेक्षा से अधिक तेजी रहने से तमाम वैश्विक एजेंसियां अचंभित हैं और उन्होंने मोटे तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत की सालाना विकास दर उम्मीद से बेहतर रहने वाली है। बोफा (बीओएएफ) और सिटीग्रुप सहित कई ब्रोकरेज हाउस ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अपने पूर्वानुमान को बढ़ा दिया है।

भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित

सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर 7.6 प्रतिशत रही, जो रायटर के पोल द्वारा लगाए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय इकोनॉमी पर करीबी नजर रखने वाले किंग्स कॉलेज, लंदन के एसोसिएट रिसर्च फेलो क्यूनगुन किम ने लिखा है कि भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित हैं। दूसरी तिमाही में औसत अनुमान और वास्तविक वृद्धि दर के बीच 1.3 फीसद का बहुत ही बड़ा अंतर है।

एमसीएक्स पर सोने ने छुआ 64 हजार रुपये का रिकॉर्ड स्तर, चांदी भी 78 हजार के पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव ने आज 64 हजार रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया। चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोना 2,100 डॉलर पार कर चुका है।

सोने के वायदा भाव की आज शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज

363 रुपये की तेजी के साथ 63,720 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 534 रुपये की तेजी के साथ 63,891 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 64,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 63,720 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

जीएसटी कलेक्शन तोड़ रहा रिकॉर्ड 8 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का सकल जीएसटी राजस्व नवंबर में 15 फीसदी बढ़कर आठ महीने के उच्चतम स्तर 1,67,929 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह 2023-24 के दौरान किसी भी महीने में अब तक एकत्र किया गया सबसे अधिक जीएसटी है। महीने के दौरान, घरेलू लेनदेन से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 20 प्रतिशत अधिक है। छठी बार 2023-24 में सकल मासिक जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। पूरे वित्त

वर्ष में नवंबर तक समेकित सकल जीएसटी संग्रह 13,32,440 करोड़ रुपये हो गया है, जो औसतन 1.66 लाख रुपये प्रति माह है। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.9 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 37,878 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 31,557 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद नवंबर 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 68,297 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 69,783 करोड़ रुपये है।

सनफीस्ट यप्पी ने अपने मसाला नूडल्स पोर्टफोलियो का विस्तार किया

रायपुर। आईटीसी के अग्रणी इंस्टैंट नूडल्स एवं पास्ता ब्रांड सनफीस्ट यप्पी ने एक नया वेरिएंट यप्पी! वाउ मसाला नूडल्य लॉन्च करते हुए अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार किया है। यह नई स्वादिष्ट पेशकश सिर्फ 10 रुपए प्रति पैक (50 ग्राम) में उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर मसाला फ्लेवर देने का वादा करती है।

यप्पी! एमएम ने यह महसूस किया कि उपभोक्ताओं को एक किफायती कीमत पर अच्छी क्वालिटी के मसालेदार नूडल्स की तलाश है। देश के सबसे पसंदीदा नूडल्स ब्रांड में से एक होने के नाते यप्पी! ने उपभोक्ताओं की इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए यप्पी! वाउ मसाला तैयार किया है। यह नई पेशकश यप्पी! वाउ मसाला सिर्फ 10 रुपए की प्रतिस्पर्धी कीमत पर मसालेदार और स्वादिष्ट होने का वादा करती है।

एक्सॉनमोबिल ने पहली एफ4 चैंपियनशिप और इंडियन रेसिंग लीग सीजन 2 को पावर देकर भारत के मोटरस्पोर्ट्स सीन को ऊपर उठाया

बेंगलुरु। एक्सॉनमोबिल इस वर्ष इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को पावर देकर भारत के तेजी से बढ़ते मोटरस्पोर्ट्स सेक्टर को ऊपर उठा रहा है, जिसमें देश में पहली बार एफ4 इंडियन चैंपियनशिप और चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) और नए फॉर्मूला रेसिंग सर्किट (एफसीआर) में आयोजित होने वाली इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) का दूसरा सीजन शामिल है। यह वर्ष पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में शहर के केंद्र में द्वीप मैदानों के आसपास स्थित एफसीआर में रात की रेस का एक

रोमांचक कैलेंडर शामिल है।

यह रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड (आरपीपीएल) के साथ एक्सॉनमोबिल की लगातार दूसरे वर्ष की साझेदारी का हिस्सा है, जो देश में मोटरस्पोर्ट्स की लोकप्रियता और पहुँच को बढ़ाने और इसे सभी रेसर्स के लिए अधिक किफायती बनाने की अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

भारत की पहली फ्रैंचाइज़ी - आधारित मोटरस्पोर्ट्स लीग, आईआरएल सीजन 2 शहर - आधारित सात टीमों को एक साथ लाती है। प्रतिस्पर्धी मोटर खेल में विशिष्ट मानक लाते हुए भारत की एकमात्र चार - पहिया रेसिंग लीग और दुनिया की पहली लिंग के प्रति तटस्थ रेसिंग चैंपियनशिप आईआरएल ने मोटर रेसिंग में पहले वर्ष से ही एक अनूठा स्थान बनाया है।

निक्की तंबोली के बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं. एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्रम पर शेयर करती हैं तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं. एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. एक्ट्रेस निक्की तंबोली की हमेशा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पर देखने को मिलती रहती है. अपनी लेटेस्ट फोटोज में निक्की तंबोली ने फ्लोरल ब्रालेट टॉप पहना हुआ है और साथ ही फ्लोरल स्कर्ट भी पहनी हुई है. एक्ट्रेस निक्की तंबोली का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है. स्मोकी आईज मेकअप और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस निक्की ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है. निक्की अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस और हॉट अंदाज में अलग-अलग पोज देते हुए तस्वीरें क्लिक करवा रही हैं।

मेरा इश्क - सागर भाटिया की मोहक धुन शुद्ध प्रेम का स्वरनाद प्रस्तुत करती है

भक्तिपूर्ण कव्वाली और भाव-भीने गीत के बोल मंत्रमुग्ध कर देंगे

नई दिल्ली। आज के युवा और प्रतिभा के धनी सागर भाटिया पेश कर रहे है, अपनी नई पेशकश मेरा इश्क जो दिलों को झकझोर देने वाले राग से भरी है। यह कव्वाली के सार को एक नया

आयाम देती है। कई जज्बातों में पिरोई यह रचना पारंपरिक संगीत की सीमाओं को पार करते हुए, श्रोताओं को भावनाओं की सिम्फनी भरे समुद्र में प्रेम और भक्ति की गहराई तक पहुंचाती है।

मेरा इश्क की मंत्रमुग्ध कर देने वाली लय और मनमोहक गीत, अस्तित्व के सभी पहलुओं में प्रिय की हमेशा उसके आसपास रहने वाली उपस्थिति की एक ज्वलंत तस्वीर पेश करता हैं। कव्वाली के अनूठे स्पर्श के साथ सागर भाटिया द्वारा बनाया गया प्यार का यह गुंजायमान गीत एक शानदार कृति है जो आपको शुद्ध अर्थों में भावनाओं से भरी दुनिया में ले जाता है। यह गीत दर्शकों को सुनने और प्रेम के साथ भक्ति की शक्ति के प्रति समर्पित होने का एक अद्भुत आनंद देता

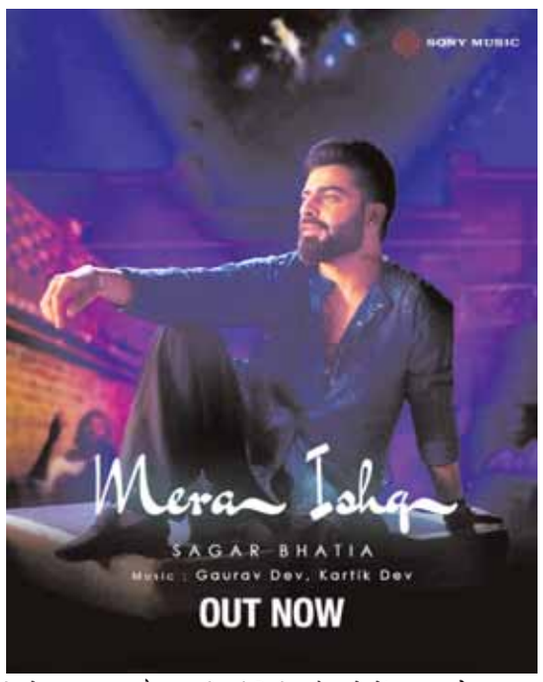

है। अपनी नई रिलीज़ के बारे में भावुक होकर बात करते हुए सागर ने कहा, ÷कव्वाली सिर्फ संगीत नहीं है, यह एक महान कला है। कव्वाली करने का मेरा तरीका थोड़ा अलग और बहुत अनोखा है। मेरा इश्क़ मेरी पहली कव्वाली है जिसे मैंने खुद लिखा था और अब यह मेरी रिलीज़ होने वाली पहली कव्वाली भी है।

भाजपा को बहुमत, फिर भी हारे 12 मंत्री

वजह- जातीय समीकरण, बगावत और भितरघात; एंटी इनकम्बेंसी से भी नुकसान

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 163 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। बीजेपी भले ही जीतने में कामयाब रही, लेकिन उसके 12 मंत्री चुनाव हार गए। इनमें 6 बार के विधायक नरोत्तम मिश्रा, 7 बार के विधायक गौरीशंकर बिसेन और कमल पटेल जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। साथ ही सिंधिया समर्थक 3 मंत्रियों को भी हार का मुंह देखना पड़ा। इस चुनाव में शिवराज सरकार के 31 मंत्री मैदान में थे, केवल 19 को जीत हासिल हुई।

मंत्रियों की हार की चार मुख्य वजहें सामने आई- जातीय समीकरण, बगावत, भितरघात और एंटी इनकम्बेंसी। जानिए किस मंत्री को क्यों हार का सामना करना पड़ा...

एंटी इनकम्बेंसी की वजह से हारे ये मंत्री

डॉ. नरोत्तम मिश्रा - भाजपा से बगावत कर कांग्रेस में शामिल हुए अवधेश नायक का टिकट काटने का फायदा नरोत्तम मिश्रा को नहीं मिला। कांग्रेस उन्हें मनाने में कामयाब रही।

राजवर्धन सिंह दत्तीगांव - चुनाव से पहले विवादों में घिरे। कांग्रेस ने एकजुटता से चुनाव लड़ा।

महेंद्र सिंह सिसोदिया - हार का मुख्य कारण एंटी इनकम्बेंसी के साथ सेबोटेज रहा। सिंधिया समर्थकों ने भी भितरघात किया। स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा।

गौरीशंकर बिसेन - 7 बार के विधायक रहते क्षेत्र में एंटी इनकम्बेंसी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सक्रियता नहीं दिखाई।

प्रेम सिंह पटेल - पांच बार के विधायक रहते क्षेत्र में एंटी इनकम्बेंसी। स्थानीय स्तर पर पार्टी के भीतर विरोध। क्षेत्र में सक्रियता नहीं।

बगावत की वजह से हारे ये मंत्री

अरविंद सिंह भदौरिया - जातीय समीकरण से नुकसान। भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे मुन्ना सिंह भदौरिया को भाजपा मनाने में कामयाब नहीं हुई।

कमल पटेल - चुनाव से ठीक पहले सुरेंद्र जैन ने कमल पटेल का खुलेआम विरोध शुरू कर दिया था। भाजपा जैन को नहीं मना पाई। पटेल का क्षेत्र में विरोध भी हुआ ।

राम खेलावन पटेल - क्षेत्र में सक्रिय नहीं रहे। पार्टी के भीतर विरोध। जातिगत समीकरण में फंसे।

रामकिशोर कावरे- अवैध उत्खनन के आरोप। पिछले चुनाव में कंकर मुंजारे ने नुकसान पहुंचाया था। इस बार मुंजारे गोंगपा से लड़े तो वोट शेयर घट गया।

सुरेश धाकड़ राठखेड़ा - सिंधिया समर्थकों को ज्यादा तवज्जो देने से नुकसान। जातीय समीकरण में फंसे।

राहुल लोधी - कुश्वाहा वोट बड़ा फैक्टर। स्थानीय स्तर पर पार्टी के अंदर विरोध। क्षेत्र में सक्रिय नहीं होने का नुकसान।

भारत सिंह कुश्वाहा - सबसे बड़ा नुकसान कुश्वाहा वोट के बंटने से हुआ। पिछले चुनाव में कांग्रेस के मदन कुश्वाहा 38199 लेकर तीसरे नंबर पर रहे। इस बार कांग्रेस ने इस वोट बैंक को साध लिया।

गोपाल भार्गव की 9वीं बार रिकॉर्ड जीत

शिवराज मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ व लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने 9वीं बार जीत कर रिकॉर्ड बनाया है। भार्गव ने इस चुनाव में जीते 19 मंत्रियों में सबसे ज्यादा मार्जिन से जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस की ज्योति पटेल को 72,800 वोटों से हराया है। मंत्रियों में भार्गव की जीत का अंतर सबसे ज्यादा है। उनके विभाग के राज्यमंत्री रहे सुरेश धाकड़ राठखेड़ा ने सबसे ज्यादा अंतर से हारने का रिकॉर्ड बनाया है। राठखेड़ा 49481 वोट से हारे हैं।

2018 में 27 में से 13 मंत्री हारे थे चुनाव

2018 में शिवराज कैबिनेट में 31 मंत्री थे, जिनमें से 27 ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। इनमें से 13 मंत्री चुनाव हार गए थे। इस चुनाव में भाजपा ने 109 सीटें जीती थीं। बहुमत (116) के लिए 7 सीटें कम रह गई थीं। 2013 से तुलना करें तो 2018 में इनमें से 9 मंत्रियों की सीट पर 7त्न तक अधिक वोटिंग हुई। 4 मंत्रियों की सीट पर वोटिंग के प्रतिशत में मामूली कमी थी।

2013 में हारे थे 10 मंत्री

2013 के विधानसभा चुनाव में शिवराज सरकार में मंत्री रहे कन्हैया लाल अग्रवाल, अजय विश्नोई, दशरथ सिंह लोधी, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, जगन्नाथ सिंह, डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, अनूप मिश्रा, लक्ष्मीकांत शर्मा, करण सिंह वर्मा और हरिशंकर खटीक चुनाव हार गए थे।

संक्षिप्त समाचार

ऑडियो मैसेज भेजकर फिरौती मांगी, फिर गोलियां मारी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में एक टेंट कारोबारी पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने उन पर पांच राउंड फायर किए और तलवार से हमला किया। तीन गोली कारोबारी की पीठ, कमर के नीचे और हाथ में लगी हैं। उनको गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी VIDEO सामने आया है। हमले के पहले आरोपियों ने रविवार सुबह एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगते हुए ऑडियो मैसेज किया था। रकम नहीं देने पर मौत की तारीख भी बताई थी। मैसेज करने वाले ने खुद को दुबई की एक कंपनी का गुर्गा बताया है। रंगदारी नहीं देने पर ऑडियो में बताई तारीख 3 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे व्यापारी को दुकान में घुसकर गोली भी मार दी।

भोपाल के बिजनेसमैन को हत्या की तारीख बताई थी, उसी दिन हमला किया

कारोबारी का भाई बोला- पता था हमला होगा

नवाज रियाज (30) टेंट हाउस कारोबारी हैं। नकाबपोश तीन बदमाशों ने बुधवारा इलाके में स्थित ताज टेंट हाउस शॉप में घुसकर उन्हें गोलियां और तलवार मारी हैं।

घायल के बड़े भाई फराज रियाज ने बताया कि हमारी दुकान को लेकर पुराना विवाद आमिर उर्फ बर्फ और उसके भाई जोहान से चल रहा है। आमिर आदतन अपराधी है, उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और एमडीएम ड्रग्स की तस्करी जैसे कई संगीन अपराध दर्ज हैं। तलैया थाना इलाके का निगरानी बदमाश भी है। हाल ही में तीन साल की जेल काटने के बाद छूटा है।

फराज के मुताबिक तीन साल पहले हमने दुकान खरीदी थी। आमिर का दावा है कि दुकान के लिए वह बयाना दे चुका था, जबकि जिसने हमें दुकान बेची, उसने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी। वह चाहता है कि हम दुकान खाली कर दें, नहीं तो उसे एक करोड़ रुपए दें।

इन्हीं बातों को लेकर उसने पिछले दिनों उनके चचेरे भाई को पीटा था। हमने आमिर के खिलाफ एफआईआर भी कराई थी। इसके बाद से लगातार धमकियां मिल रही थीं। डर था कि हम पर हमला होगा। पुलिस से मदद मांगी, लेकिन शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया।

ऑडियो में क्या कहा...

नवाज के मोबाइल पर वॉट्सएप पर ऑडियो मैसेज आया। धमकाने वाले ने अपना नाम नसीम बन्ने खां बताया। खुद को स्टेशन बजरिया का गुंडा बताया। वह बोला, आप पैसे वाले लोग हो। आपके पास बहुत ही पैसा है। हम गैंगस्टर हैं। हमारा काम लोगों को मौत का एहसास कराना और जरूरत पड़ने पर उन्हें मौत के घाट उतारना भी है। हम जिस गैंग से जुड़े हैं, वहां के हैड ने आदेश किया है कि 3 दिसंबर को आप पर हमला करना है।

वह आगे कहता है, जान बचाना चाहते हो तो एक करोड़ रुपए दे दो। समझते हो न, इस रकम को क्या कहते हैं, प्रोटेक्शन मनी, फिरौती, रंगदारी... हां, रंगदारी, वही दे दो। नहीं तो आपको मौत का एहसास कराएंगे। हो सकता है इसमें आपकी जान चली जाए। आपके पास दुबई से कॉल आने वाला था। किसी टेक्निकल परेशानी के कारण शायद यह मैसेज आप तक नहीं पहुंचा। मुझे आदेश हुआ कि आप तक यह मैसेज पहुंचाना है। मैंने पहुंचा दिया, एक हफ्ते का समय है। नहीं मानो तो तैयार रहना मौत का एहसास कराया जाएगा।

पुलिस ने ऑडियो को जांच में लिया

तलैया थाना प्रभारी सीबी राठौर ने बताया कि पीड़ित पक्ष ने आमिर उर्फ बर्फ पर हमला कराने का संदेह जाहिर किया है। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज से भी बदमाशों का पता लगाया जा रहा है। धमकी भरे ऑडियो को भी जांच में लिया है। पूर्व में दिए गए एक अन्य शिकायती आवेदन के आधार पर आमिर पर अड़ीबाजी का एक और प्रकरण दर्ज किया गया है।

इंदौर में फिर दरिंदगी, मां के शव से रेप

रहवासी ने वीडियो बनाकर पुलिस को दिया, इसी से हुई आरोपी की पहचान

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर के पलासिया इलाके में मृत बुजुर्ग महिला से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस की जांच में आरोपी महिला का बेटा ही निकला। दरअसल पुलिस को महिला के शव की जानकारी लगी थी। इसके बाद पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा। यहां पीएम के दौरान महिला के शव से रेप की पुष्टि हुई। पुलिस ने जांच के दौरान जब्त फुटेज के आधार पर आरोपी बेटे के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पलासिया पुलिस को गिरीराज माया देवी होस्टल के पास बड़ी ग्वालटोली में 70 वर्षीय बुजर्ग महिला का शव मिला। शव का पंचनामा बनाकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम से पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है। पीएम करने वाले डॉक्टरों ने इसकी जानकारी तत्काल पलासिया पुलिस को दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आसपास के फुटेज जब्त किए। फुटेज में स्वेटर और सिर पर टोपी पहने एक युवक दिखाई दिया। पुलिस ने इसी आधार पर आसपास के फुटेज चैक किए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इनकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी महिला का बेटा ही बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी बेटे का मेडिकल भी कराया है। प्रारंभिक जांच में वह मानसिक रोगी बताया जा रहा है।

मां को अस्पताल दिखाने के लिए अस्पताल ले गया था

पूछताछ में बेटे ने पुलिस को बताया कि वह मां के साथ लसूड़िया इलाके में बहन के घर के पास ही रहता है। बहन के कहने पर वह मां को एमवाय अस्पताल दिखाने लाया था। यहां से मां को दिखाने के बाद वह ऑटो रिक्शा में बैठा। पुलिस ने कहा कि वह सीसीटीवी में मां के साथ उतरता हुआ दिख रहा है।

विनोबा नगर में उतरने के बाद वह गीता भवन के रास्ते मां को पैदल ही ले जाने लगा। यहां बीच रास्ते में मां की तबीयत बिगड़ी। तो बेटे ने उसे शौचालय के पास बैठा दिया। यहां चंद मिनटों में ही मां ने दम तोड़ दिया। मां के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई तो बेटे ने मां के साथ यहीं दुष्कर्म कर दिया।

महिला से दुष्कर्म होते देख स्थानीय रहवासी ने वीडियो बनाकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो यहां से शव को बरामद कर एमवाय अस्पताल भेज दिया। यहीं रहवासी ने पुलिस को वीडियो भी सौंप दिया। पीएम में रेप की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने वीडियो और सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया।

दरअसल 70 साल की महिला की एक बेटी भी है। वह लसूड़िया इलाके में रहती है। चलने फिरने में असमर्थ होने के चलते उसने अपने घर के पास ही मां को किराये से लेकर रखा हुआ था। भाई भी मां के साथ ही रहता था।

आचार संहिता के बाद वीसी से बैठक लेंगे सीईओ

कलेक्टरों के साथ सात दिसम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करेंगे अनुपम राजन

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन 7 दिसम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 52 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से संवाद करेंगे। राजन विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर इन अधिकारियों द्वारा अपने-अपने जिलों में मतदान प्रतिशत ब?ाने के लिए किए गए नवाचारों, बेस्ट प्रेक्टिसेस, स्वीप गतिविधियों पर चर्चा के अलावा इन अधिकारियों से उनके अनुभव भी सुनेंगे, जिससे नवाचारों एवं अच्छे अनुभवों का लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये बेहतर उपयोग किया जा सके।

शांतिपूर्ण निर्वाचन पर सीईओ ने माना आभार

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये 3 दिसम्बर को मतगणना की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। शांतिपूर्ण निर्वाचन पूर्ण होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, पीठासीन अधिकारी, एवं अन्य सभी अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस, होमगार्ड, केंद्रीय सुरक्षा बलों, निर्वाचन अभिकर्ताओं, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक मीडिया और शांतिपूर्ण निर्वाचन पूरी कराने में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी आभार माना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नेशनल मीडिया अवार्ड 2023 के लिए मीडिया संस्थानों से 4 अलग-अलग श्रेणियों में आगामी 10 दिसंबर 2023 तक प्रस्ताव मांगे गए हैं। यह अवार्ड वर्ष 2023 के दौरान मतदाता शिक्षा और जागरुकता पर सर्वोत्तम अभियान के लिए दिया जाएगा।

आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह द्वारा जिले के मीडिया संस्थानों से नेशनल मीडिया अवार्ड 2023 के लिए अधिक से अधिक प्रस्ताव भेजने को कहा है। नेशनल मीडिया अवार्ड 2023 प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन मीडिया), इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो मीडिया) और ऑनलाइन (इंटरनेट/सोशल मीडिया) की अलग-अलग श्रेणियों में दिए जाएगे।

बिजली के ट्रांसफार्मर की केबिलों में आग लगी

आधे घंटे उठी चिंगारियों के बाद तीन घंटे इलाके की बत्ती गुल रही

शिवपुरी/नवप्रदेश। शिवपुरी शहर के कोतवाली क्षेत्र के नई पुलिस लाइन, कृष्णा नगर में सोमवार दोपहर एक बिजली के ट्रांसफार्मर में लगी केबिल अचानक जलने लगी। करीब आधे घंटे तक चिंगारी उठती रही। जिससे क्षेत्र वासियों को बारिश के कारण ट्रांसफार्मर के आसपास करंट फैलने का डर सताने लगा। थोड़ी देर बाद पूरे इलाके की बिजली गुल हो गई। बता दें कि बिजली कंपनी आए दिन उपकरणों की मरम्मत करने के नाम पर बिजली की घोषित और अघोषित कटौती करती रहती है। लेकिन मेटेंनेंस की पोल उस समय खुल गई जब कृष्णा नगर में एक बिजली ट्रांसफार्मर में शोर्ट-सर्किट होने के बाद आग लग गई। करीब आधे घंटे तक आग का सिलसिला चलता रहा। चूंकि बारिश के कारण जमीन गीली थी और क्षेत्र में करंट फैलने का लोगों का डर सता रहा था। लोगों ने इसकी सूचना बिजली कंपनी को दी लेकिन मौके पर काफी देर तक कोई नहीं आया। काफी देर बाद कुछ कर्मचारी पहुंचे। इधर, इस घटना के बाद इलाके की बिजली चली गई जो तीन घंटे बाद आई। बताया गया है कि बिजली के ट्रांसफार्मर में लगी केबिलों में आग बिजली के ट्रांसफार्मर में हुए

जांच के दौरान अवैध खाद्य बरामद: दुकान की गई सील, एफआईआर के आदेश; एक्शन में कलेक्टर

छतरपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने रबी फसलों को मद्देनजर रखते हुए जिले में उर्वरक का सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जिलेभर की खाद वितरण सोसाइटियों और अन्य वितरण केंद्र पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद की कालाबाजारी रोकने, अवैध भण्डार पर कार्रवाई करने और जिले की सीमाओं और एमपी-यूपी बॉर्डरों पर चेकिंग करने के निर्देश भी दिए। जिले का खाद अन्य राज्य और जिलों में परिवहन न हो।

कलेक्टर के निर्देश पर सोमवार को एडीएम नमः शिवाय अरजरिया ने छतरपुर शहर के सटई रोड स्थित नीरज अग्रवाल खाद वेयर हाउस सहित नौगांव रोड के विभिन्न वितरण केन्द्रों पर निरीक्षण किया गया और गुलगंज के डिकोली चौराहा के पास प्रभु दयाल अग्रवाल फॉर्म में यूरिया की जांच की गई।

जांच में लगभग 650 यूरिया की बोरियां पाई गई। जो पीएसओ स्टॉक मशीन अनुसार शून्य पाई गईं। जो अवैध भण्डार की श्रेणी मे पाया गया, सभी खाद की बोरियों को जब्त किया गया और एसडीएम विजय द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर जी.एस. पटेल ने दुकान को सील कराया। इस दौरान एसडीएम बलवीर रमन और डीडीए डॉ. बी.पी. सूत्रकार उपस्थित रहे।

इसी क्रम में नौगांव तहसीलदार संदीप कुमार तिवारी ने हरपालपुर स्थित हरिश्चंद्र प्रजापति खाद बीज भंडार की जांच की और कृषकों से चर्चा के दौरान कैथोकर एवं भदर्रा के कृषकों ने बताया कि निर्धारित कीमत से अधिक कीमत पर खाद मिला और रसीद भी नहीं दी गई।

तहसीलदार ने मौके पर जांच करते हुए खाद बीज भंडार की दुकान को सील करने की कार्रवाई की गई। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित दर पर खाद बेचने और रसीद देने की क?ी हिदायत दी गई। बिजावर एसडीएम विजय द्विवेदी ने मंडी स्थित गोदाम में खाद वितरण का निरीक्षण कर कृषकों से चर्चा की। लवकुशनगर में कृषकों की व्यवस्था को देखते हुए टोकन देकर खाद वितरण कराया गया।

हरपालपुर में बिना रसीद दिए अधिक कीमत पर खाद बेचने पर दुकान सील की गई। वहीं एडीएम ने सटई रोड पर खाद वेयर हाउस और गुलगंज में निरीक्षण किया। जहां डीएपी और यूरिया खाद का अवैध भंडार पाए जाने पर क?ी कार्रवाई के निर्देश दिए। ब?ामलहरा में भी अधिकारियों ने खाद दुकानों के स्टॉक और विक्री पंजीयन की जांच की। घुवारा में भी प्राइवेट दुकानों का निरीक्षण कर डीएपी और यूरिया के स्टॉक की जांच की गई।

निर्धारित दर पर ही खाद खरीदें और रसीद प्राप्त करें

जिला प्रशासन द्वारा किसान भाईयों से अपील की गई है कि निर्धारित दरों पर ही खाद खरीदें और रसीद प्राप्त करें। यूरिया 45 किलो की बोरी 266 रुपए 50 पैसे और 50 किलो डीएपी की बोरी 1350 रूपए, पोटास 1700 रूपए, एनपीके कॉम्प्लेक्स 1470 रूपए और सुपर फास्फेट राख 425 रूपए प्रति बोरी किसानों को विक्रय हेतु निर्धारित की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड-नं-3, पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित मो.नं. 9406245514, 9425237314 (न्याय क्षेत्र भोपाल) www.navpradeshbhopal@gmail.com